सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

रविचंद्रन अश्विन ने संन्यास पर तोड़ी चुप्पी, '...टीम में तुहारे लिए कोई जगह नहीं है -पेज: 7

रुमिणी वसंत ने कांतारा - चैप्टर 1 को बताया जिंदगी बदल देने वाला अनुभव -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 183 | शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

मुंबई एयरपोर्ट पर 21.78 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, तस्कर गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों में से एक मुंबई एयरपोर्ट पर दुनिया भर से यात्री आते हैं। इसलिए एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहती है। इसके अलावा, चूंकि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है, इसलिए एयरपोर्ट पर सुरक्षा की हमेशा समीक्षा होती रहती है। अब जब अवैध सोने या ड्रग्स जैसी वस्तुओं की तस्करी होती है। अब, यह खुलासा हुआ है कि खजूर के पैकेट से कोकीन की तस्करी की जा रही है। दरअसल एयरपोर्ट के सुरक्षा गार्डों ने एक खजूर के पैकेट से 2 किलो 178 ग्राम कोकीन जब्त किया है और इसकी मौजूदा बाजार कीमत 21.78 करोड़ रुपये है। बताया गया है कि तस्करों द्वारा खजूर के पैकेट से खजूर निकालकर, खजूर से बीज निकालकर और उनमें कोकीन भरकर तस्करी करने की कोशिश की थी। हालांकि, मुंबई एयरपोर्ट पर इस साजिश का पर्दाफाश हो गया। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 21.78 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन की जब्ती को हवाई अड्डा सुरक्षा और पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की यह एक बड़ी कार्रवाई है और सुरक्षा एजेंसियों ने 2 किलो 178 ग्राम कोकीन जब्त की है। बताया गया है कि सिएरा लियोन से आए यात्री के साथ कोकीन की डिलीवरी लेने आए एक शख्स को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि जब्त पाउडर कोकीन है, जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। अब यह जांच की जा रही है कि कोकीन कहां से लाया गया था और कहां ले जाया जा रहा था। इसके अलावा, पुलिस भारत में इस तस्करी के कनेक्शन की भी जांच कर रही है।

कैबिनेट की मंजूरी, कर्नाटक में महिलाओं को हर महीने एक दिन की पेड पीरियड लीव

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य और कार्यस्थल पर समानता को बढ़ावा देने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य कैबिनेट ने मैन्स्ट्रुअल लीव पॉलिसी-2025 को मंजूरी दे दी है। नई नीति के तहत राज्यभर में कार्यरत सभी महिलाओं को हर महीने एक दिन की सवेतन (पेड) पीरियड लीव मिलेगी। यह नीति अब आधिकारिक रूप से लागू कर दी गई है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस सुविधा का लाभ केवल सरकारी कर्मचारियों को ही नहीं, बल्कि वस्त्र उद्योग, बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी), आईटी सेक्टर और अन्य निजी संस्थानों में काम करने वाली महिलाओं को भी मिलेगा। राज्य के श्रम मंत्री संतोष ने बताया कि यह प्रस्ताव गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में पारित किया गया। उन्होंने कहा कि यह देश का पहला ऐसा व्यापक कानून है, जो महिलाओं के स्वास्थ्य, कल्याण और कार्यस्थल पर उनके अधिकारों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। गौरतलब है कि वर्ष 2024 में सरकार ने एक साल में छह पीरियड लीव देने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर हर महीने एक दिन यानी सालाना 12 दिन कर दिया गया है। सरकार का मानना है कि यह नीति महिलाओं की कार्यक्षमता, मानसिक स्वास्थ्य और समावेशी कार्यसंस्कृति को मजबूत करेगी।

20 बच्चों की मौत के मामले में कोल्ड्रिफ कफ सिरप कंपनी का लाइसेंस रद्द

चैन्नई (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप से 20 बच्चों की मौत के बाद, तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री सुब्रमण्यम ने गुरुवार को बताया कि कंपनी का लाइसेंस अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है और जांच के बाद इसे स्थायी रूप से रद्द कर दिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट में छिंदवाड़ा एसपी के मुताबिक कंपनी के मालिक रंगनाथन को चेन्नई की कोर्ट में पेश किया जाएगा और ट्रांजिट रिमांड हासिल करने के बाद छिंदवाड़ा लाया जाएगा। इस बीच मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने बुधवार को बताया कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से मध्य प्रदेश में 20 बच्चों की मौत हुई है। पांच का इलाज चल रहा है। इन 20 बच्चों में से 17 छिंदवाड़ा जिले के, दो बैतूल और एक पांढुर्ना जिले का है। डिप्टी सीएम शुक्ला ने कहा कि इस घटना को लेकर राज्य सरकार सख्त है। छिंदवाड़ा से पुलिस की टीमें कोल्ड्रिफ निर्माण कंपनी के मालिक रंगनाथन को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में सख्त कार्रवाई की जा रही है। बता दें डॉक्टरों के एक समूह और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को छिंदवाड़ा जिले में एक विरोध प्रदर्शन किया और सरकारी डॉक्टर प्रवीण सोनी की रिहाई की मांग की, जिन्हें हाल ही में जिले में कथित तौर पर कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के मामले में जेल भेजा गया था।

पुलिस ने दिल्ली में 28 बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया, डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पूर्व जिला पुलिस के बांग्लादेशी प्रकोष्ठ ने दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 28 बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई बढ़ती अवैध प्रवास की चिंताओं को देखते हुए की गई, जिसमें बिना वैध दस्तावेज के रह रहे लोगों की पहचान और निर्वासन पर जोर दिया गया। पुलिस उन्हें वापस भेजने की कार्रवाई कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन अवैध प्रवासियों को दिल्ली के विभिन्न इलाकों में झुग्गी-झोपड़ियों, श्रमिक शिविरों और अनधिकृत कॉलोनियों से हिरासत में लिया है। पुलिस ने मुखबिरों की मदद से खुफिया जानकारी जुटाई और अवैध तरीके से भारत आने वाले रास्तों की पहचान की। पुलिस टीम ने फील्ड इंटेलिजेंस, मुखबिर नेटवर्क और स्थानीय पूछताछ का सहारा लिया। सत्यापन अभियान चलाकर कड़ी निगरानी की, जिसके बाद 28 लोगों को हिरासत में लिया। पूछताछ में पता चला कि ये पश्चिम बंगाल की खुलना सीमा से अवैध तरीके से भारत आए थे और उनके साथ कई अन्य अज्ञात लोग भी शामिल हो सकते हैं। इनमें से किसी के पास भी वैध दस्तावेज नहीं मिले। गिरफ्तार किए गए सभी प्रवासियों को अस्थायी हिरासत केंद्र में रखा गया है, जहां उनके निर्वासन की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक ये लोग अकुशल मजदूर हैं जो कूड़ा बीनने, खेतिहर काम या अनौपचारिक व्यवसायों में लगे थे।

पार्टी आपकी आभारी है और हम इस समर्थन को बेकार नहीं जाने देंगे

-बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांशीराम की पुण्यतिथि पर की लखनऊ में बड़ी रैली

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ की सड़कों पर हर तरफ नीले झंडे, पोस्टर और बैनर दिखाई दे रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती गुरुवार को लखनऊ में कांशीराम की पुण्यतिथि पर एक बड़ी रैली कर रही हैं। उन्होंने इस दौरान कांशीराम को श्रद्धांजलि दी। अपार संख्या में पहुंचे लोगों और कार्यकर्ताओं-समर्थकों का मायावती ने आभार जताते हुए कहा कि जनता ने इस बार जबरदस्त समर्थन दिखाया है। साथ ही योगी सरकार की सराहना की तो वहीं समाजवादी पार्टी पर जमकर तीखा हमला बोला।

मायावती ने कहा कि आज का जनसमूह यह दिखाता है कि हमने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। पार्टी आपकी आभारी है और हम इस समर्थन को बेकार नहीं जाने देंगे। इसके अलावा उन्होंने लखनऊ के स्मारकों और पार्कों के रखरखाव का मुद्दा उठाया और कहा कि जब उनकी सरकार ने कांशीराम के सम्मान में यह स्मारक बनवाए थे, तो एक व्यवस्था की गई थी कि यहां आने वाले दर्शकों से जो टिकट का पैसा लिया जाएगा, वह इन्हीं स्मारकों के रखरखाव पर खर्च होगा।

मायावती ने सत्ताधारी यूपी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सीएम योगी को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि टिकट से मिलने वाला पैसा इन स्थलों के रखरखाव में लगाया जाए। बीजेपी सरकार ने इस पर सकारात्मक रुख अपनाया और मरम्मत का पूरा खर्च उठाया। इसलिए हम उनका आभार जताते हैं। सपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब अखिलेश यादव सत्ता में होते हैं तो न उन्हें कांशीराम याद आते हैं, न ही पीडीए। सत्ता से बाहर होते ही उन्हें ये सब याद आने लगता है। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि अगर सपा को कांशीराम जी से इतना ही सम्मान था, तो अलीगढ़ मंडल में जो जिला कांशीराम जी के नाम पर बनाया गया था, सपा सरकार आते ही उसका नाम क्यों बदल दिया गया? हमने कांशीराम जी के नाम पर कॉलेज, यूनिवर्सिटी और जनकल्याण योजनाएं शुरू कीं, लेकिन सपा का रवैया हमेशा से दोहरा रहा है- ना नीयत साफ है, ना नीति।

मायावती ने कहा कि जब सत्ता में रहते हैं तो उन्हें न तो पीडीए याद आता है और न ही कोई पुण्यतिथि। लेकिन जब सपा सत्ता से बाहर हो जाती है तो उन्हें संगोष्ठी की याद आती है। मैं अखिलेश से पूछना चाहती हूं कि यदि कांशीराम जी के प्रति आपका इतना ही आदर सम्मान था तो जब उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार थी और हमने अलीगढ़ मंडल में कासगंज नाम से एक जिला बनाया था और उस जिले का नाम कांशीराम जी के नाम पर रखा गया था। समाजवादी पार्टी ने सत्ता में आते ही उसका नाम क्यों बदल दिया? हमने कांशीराम जी के नाम पर अनेकों संस्थानों के नाम रखें, अनेक योजनाएं शुरू की जिसे समाजवादी पार्टी ने सत्ता में आते ही बंद कर दिया? यह उनका दोहरा चरित्र नहीं है तो क्या है?

मायावती ने कहा कि मरने से पहले कांशीराम जी की दिली तमन्ना थी कि जहां दलितों और अन्य उपेक्षित वर्गों की आबादी ज़्यादा है तो अकेले ही अपने दम पर पूरे दम से सरकार बनानी होगी, लेकिन दुख की बात ये है कि कांशीराम के जीते जी तो इनका ये सपना साकार नहीं हो सका था तो 2007 में हमने बहुजन समाज के अकेले पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई, इससे पहले हमने मिली जुली सरकार बनाई, लेकिन चौथी बार हमने यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई।

उन्होंने कहा कि ये बीजेपी, कांग्रेस सपा और दूसरे जातिवादी दलों को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा, जबकि इससे पहले केंद्र की बीजेपी सरकार ने मेरे, भाई बहन, रिश्तेदारों पर जबरदस्ती गलत केस लगाकर आईडी और सीबीआई को पीछे लगाकर छवि को धूमिल करने का काम किया, कांग्रेस ने भी हमें राहत देने की बजाय का उलझा दिया। ऐसे हालातों में भी हमने डॉ. अंबेडकर के बताए रास्तों पर चलते हुए 2007 में अपनी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई।

भारत के स्टार क्रिकेटर को अंडरवर्ल्ड से धमकी, 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी

मुंबई (एजेंसी)। एशिया कप जीतने वाले भारत के स्टार क्रिकेटर रिंकू सिंह को अंडरवर्ल्ड ने धमकी देते हुए उनसे 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है। मुंबई पुलिस ने रिंकू को धमकी देने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि रिंकू सिंह को पहले भी धमकी मिल चुकी है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने बताया कि रिंकू सिंह को यह धमकी किसी और की नहीं, बल्कि मोस्ट वांटेड गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के गिरोह यानी डी-कंपनी की तरफ से आई है। फरवरी से अप्रैल 2025 के बीच रिंकू की प्रमोशनल टीम को तीन धमकी भरे मैसेज भेजे गए थे। रिंकू सिंह को इस साल तीन बार धमकियां मिलीं। धमकी भरे मैसेज रिंकू सिंह को नहीं, बल्कि उनकी प्रमोशनल टीम को भेजे गए थे।

क्राइम ब्रांच ने बताया कि यह मामला किसी बड़े रैकेट से जुड़ा है। क्योंकि जीशान सिद्दीकी को भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले थे। रिंकू सिंह को धमकी देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने धमकी देने की बात कबूल कर ली है। इससे पहले, जीशान सिद्दीकी के पिता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद उन्हें धमकी दी गई थी और 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई थी। इस मामले में इंटरपोल की मदद से मोहम्मद दिलशाद और मोहम्मद नवीद को त्रिनिदाद और टोबैगो से पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। जीशान को ये धमकी भरे ईमेल 19 से 21 अप्रैल के बीच मिले थे। इसमें उन्हें यह भी चेतावनी दी गई थी कि अगर उन्होंने फिरौती नहीं दी, तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

केदारनाथ में टूटा 2024 का रिकॉर्ड, श्रद्धालुओं की संख्या 16.56 लाख के पार

-पिछले वर्ष पूरे यात्रा काल में पहुंचे थे 16 लाख 52 हजार 76 यात्री

देहरादून (एजेंसी)। चारधाम यात्रा फिर रफ्तार पकड़ गई है। बारिश और बर्फबारी के बावजूद यात्रियों में भारी उत्साह बना हुआ है। केदारनाथ यात्रा ने नया रिकॉर्ड बनाया है। आज बुधवार को यहां श्रद्धालुओं की संख्या 16 लाख 52 हजार के पार पहुंच गई, जबकि अभी धाम कपाट बंद होने में 14 दिन का समय बचा है। वर्ष 2024 में पूरे यात्रा काल में 16 लाख 52 हजार 76 यात्री केदार दर्शन के लिए पहुंचे थे। बुधवार को केदारनाथ धाम में 5614 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। केदार धाम के कपाट आगामी 23 अक्टूबर को भैया दूज के अवसर पर बंद होंगे। अभी यात्रा 15 दिन और चलेगी। इस प्रकार यहां यात्रियों की संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया है। बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में भी अब यात्रियों की संख्या बढ़ी है। प्रदेश सरकार की ओर से श्रद्धालुओं के उत्साह को देखते हुए सुरक्षित यात्रा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यात्रा मार्ग में सुरक्षा जवानों की तैनाती की गई है। यात्रा मार्ग पर यातायात सुचारू बना रहे, इसके लिए भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों पर मलबे की सफाई के लिए जेसीबी की व्यवस्था की गई है। बता दें कि इस वर्ष 30 अप्रैल को गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा का आगाज हो गया था। इसके बाद दो मई को केदारनाथ और चार मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट आम श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए थे। मानसून सीजन में अतिवृष्टि, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं के चलते चारधाम यात्रा बुरी तरह प्रभावित हुई है। प्रकृति की विनाशलीला में गंगोत्री धाम का महत्वपूर्ण पड़ाव धराली बुरी तरह तबाह हो गया। मार्ग बुरी तरह तहस-नहस हो जाने से गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा को रोकना पड़ा था। बारिश थमने पर भी यहां यात्रा को बहाल करना बड़ी चुनौती था, लेकिन शासन-प्रशासन की टीमों ने युद्धस्तर पर कार्य कर आम जनजीवन की बहाली के साथ ही यात्रा मार्गों को सुचारू किया। दोनों धामों की यात्रा भी सुरक्षा इंतजामों के साथ शुरू हो गई। प्रशासन की ओर से यात्रियों को अभी भी एहतियात बरतने की सलाह दी गई है। यात्रियों को बार-बार आगाह किया गया है कि मौसम खराब होने पर यात्रा करने से बचें। यदि यात्रा मार्ग में हैं, तो सुरक्षित स्थान पर शरण लें। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी जिलाधिकारियों से कहा है कि श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी यात्रा मार्गों पर आवश्यक यात्री सुविधाओं और सुरक्षा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। सभी जिम्मेदार अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रखा जाए।

आईपीएस अफसर आत्महत्या मामले में डीजीपी और एसपी की हो गिरफ्तारी

-मृतक पूरन कुमार की पत्नी आईएएस अमनीत ने लगाए गंभीर आरोप

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या मामले ने जोर पकड़ लिया है। अफसर की आत्महत्या के दौरान जापान गईं उनकी पत्नी अमनीत पी कुमार भारत लौट आई हैं और उन्होंने इस मामले में चंडीगढ़ पुलिस को शिकायत दी है। हरियाणा कैडर की आईएएस अमनीत ने अपनी शिकायत में डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारनिया पर आरोप लगाया है कि वे पति का उत्पीड़न कर रहे थे। इसके चलते उन्होंने खुदकुशी की।

अमनीत ने मांग की है कि हरियाणा के डीजीपी और रोहतक के एसपी के खिलाफ एससी-एसटी ऐक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाए। आईपीएस वाई पूरन कुमार दलित समाज से आते थे। उन्होंने हाल ही में रोहतक की सुनारिया जेल की जिम्मेदारी मिली थी और आईजी की पोस्ट पर तैनात थे। उन्होंने खुद को चंडीगढ़ के सेक्टर 11 स्थित आवास पर खुद को गोली मार ली थी।

आईएएस अफसर और पूरन की पत्नी अमनीत ने दावा किया है कि उनके पति ने सुसाइड नोट में मांग की है कि डीजीपी और रोहतक के एसपी के खिलाफ मामला दर्ज हो और उन्हें गिरफ्तार किया जाए। अमनीत ने अपनी शिकायत में लिखा है कि मेरे पति जो बेहद ईमानदारी थे। वह घर में गोली लगने से मृत पाए गए। आधिकारिक रूप से इसे आत्महत्या कहा जा रहा है, लेकिन मेरी आत्मा कहती है कि यह उनका लगातार उत्पीड़न होने का परिणाम है।

अमनीत ने आरोप लगाया कि उनके पति का सालों से उत्पीड़न किया जा रहा था। उन्हें सीनियर अधिकारी व्यक्तिगत तौर पर परेशान करते थे और इन लोगों में डीजीपी शत्रुजीत कपूर भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मेरे पति बताते थे कि जाति के आधार पर उनके खिलाफ भेदभाव हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया था कि उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है और किसी मामले में उन्हें फंसाया जा सकता है। ऐसा डीजीपी के इशारे पर हो रहा है।

यही नहीं अमनीत ने रोहतक के अर्बन एस्टेट पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर को भी गलत बताया। उन्होंने कहा कि 6 अक्टूबर को जो एफआईआर दर्ज की गई थी, वह गलत है। इसमें उनके पति के स्टाफ में शामिल सुशील कुमार का इस्तेमाल किया गया।

अमनीत ने कहा कि उनके पति को इस मामले में फंसाया गया और इसके चलते उन्होंने आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि उनके पति पूरन कुमार ने इस मामले को लेकर डीजीपी शत्रुजीत कपूर से बात की थी, लेकिन उन्होंने नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने कहा कि

पूरन ने इसके बाद रोहतक के एसपी से भी बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि इस मामले में डीजीपी और रोहतक के एसपी की गिरफ्तारी होनी चाहिए और इंसाफ मिलना चाहिए।

टीवीके प्रमुख विजय के आवास पर बम की धमकी... पुलिस ने घर का एक-एक कोने की तलाशी ली

-कॉल करने वाले की पहचान करने की तैयारी में जुटी पुलिस

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडू की राजधानी चेन्नई के नीलंकरई में अभिनेता से नेता बने टीवीके प्रमुख विजय के आवास पर गुरुवार सुबह बम की धमकी भरा कॉल मिलने से हड़कंप मच गया। एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस नियंत्रण कक्ष को मोबाइल फोन पर संपर्क कर बम होने की सूचना देकर कॉल काट दी। हालांकि सघन जांच के बाद यह अफवाह निकली। बम की सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ते मौके पर पहुंचे और विजय के आवास की गहन तलाशी ली। तलाशी में पुलिस को कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि धमकी भरा कॉल फर्जी था। पुलिस ने कॉल करने वाले की पहचान और स्थान का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। मामले की गहन छानबीन जारी है। इसके पहले 28 सितंबर को विजय को धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे। विजय को मिले मेल की जांच के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों की टीम ने मामले की गंभीरता को देखकर कार्रवाई शुरू कर दी। बम स्क्वायड की टीम को बुलाया गया। स्निफर डॉग्स की मदद से विजय के घर की जांच पड़ताल की गई। सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई कई घंटे चली। जांच के बाद कोई संदिग्ध या खतरनाक वस्तु नहीं मिली। अधिकारियों ने साफ किया था कि भेजा गया धमकी वाला ईमेल केवल एक धोखा था, इसका मकसद अफरातफरी फैलाना था। यह ईमेल किसने और क्यों भेजी, इस बारे में अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस की साइबर सेल मामले की तहकीकात कर रही है ताकि जल्द ही दोषियों को पकड़ा जा सके। इस बीच गुरुवार को फिर बम की धमकी का कॉल प्राप्त होना, पुलिस और सुरक्षाबलों के लिए चुनौती है। हालांकि जांच में कॉल फर्जी निकली है, लेकिन पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार जांच की जा रही है कि कॉल करने वाला कौन था। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही आरोपी को पकड़ा जाएगा।

नए उपराष्ट्रपति की पहली ही बैठक में विपक्ष ने सत्तारुढ़ बीजेपी को घेरा

संसद में सरकार विपक्ष की आवाज दबा रही और सवालों से बच रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की अध्यक्षता में बुलाई गई राज्यसभा फ्लोर लीडर्स की बैठक में सरकार और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। बैठक में विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह संसद में विपक्ष की आवाज दबा रही है और सवालों से बच रही है। बैठक में राज्यसभा में नेता जेपी नड्डा भी मौजूद थे। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद जॉन ब्रिटास ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह विपक्ष के सवालों से बचती है और पारदर्शिता से काम करने से इनकार करती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे सवालों की अनुमति तक नहीं देती, जिनकी जानकारी आम जनता सूचना का अधिकार के जरिए भी हासिल कर सकती है। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने नए

संसद भवन की लागत से जुड़ा एक सवाल पूछा था, जिसे अनुमति नहीं दी गई। इसी तरह, पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर पूछे गए सवाल को गोपनीय बताकर अस्वीकृत कर दिया, जबकि ऐसी जानकारी तेल कंपनियों के संगठन खुद सार्वजनिक रूप से जारी करते हैं।

विपक्षी नेताओं का कहना है कि संसद में सरकार द्वारा सूचना साझा करने में हिचकिचाहट बढ़ रही है। कई बार ऐसे मुद्दों पर भी सवाल रोके जा रहे हैं जो सीधे जनता से जुड़े होते हैं। एक विपक्षी नेता ने कहा कि जब संसद ही जवाब मांगने का सर्वोच्च मंच है और अगर वहां भी सवाल नहीं पूछे जा सकते तो फिर जवाबदेही कहां होगी?

सूत्रों के मुताबिक बैठक में बीजेपी नेताओं ने विपक्ष के आरोपों पर स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि, उन्होंने यह जरूर कहा कि सभी प्रश्न संसद के नियमों और प्रक्रियाओं के मुताबिक ही स्वीकार किए जाते हैं। बता दें पिछले कुछ सत्रों में संसद में सवालों की अस्वीकृति और विपक्षी सांसदों के निलंबन को लेकर बार-बार विवाद हुआ है। विपक्ष का कहना है कि इससे संसद का लोकतांत्रिक चरित्र कमजोर हो रहा है, जबकि सरकार का तर्क है कि वह सदन में सद्भावना और अनुशासन बनाए रखने की कोशिश कर रही है।

जजों को कोर्ट में कम बोलना चाहिए, प्रवचन या उपदेश नहीं देने चाहिए

-पूर्व जज ने सीजेआई गवई को ही जूता फेंकने की घटना का जिम्मेदार बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कंडेय काटजू ने भारत के सीजेआई बीआर गवई को ही जूता फेंके जाने वाली घटना का जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को कोर्ट में कम बात करनी चाहिए प्रवचन नहीं देने चाहिए। वकील राकेश किशोर ने कोर्ट में ही सीजेआई गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। किशोर का दावा था कि वह सीजेआई की टिप्पणियों से आहत था।

पूर्व जज काटजू ने एक्स पर लिखा- मैं सीजेआई पर जूते फेंके जाने की निंदा करता हूं, लेकिन उन्होंने खजुराहो में भगवान विष्णु की मूर्ति से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए खुद ही इस घटना को न्योता दिया था। उन्होंने कहा था कि आप कहते हैं कि आप विष्णु के बहुत बड़े भक्त हैं। जाएं और जाकर देवता से कहें कि वह खुद ही कुछ करें। उन्होंने आगे लिखा कि ऐसी टिप्पणियों की कोई जरूरत नहीं थी, ये अनुचित थीं और गैर जरूरी थीं। इसका मामले के कानूनी मुद्दों से कोई लेना देना नहीं था। जजों को कोर्ट में कम बोलना चाहिए, प्रवचन, उपदेश नहीं देने चाहिए।

वहीं वकील राकेश किशोर ने सीजेआई गवई को लेकर कहा कि बात यह है कि मैं बहुत ज्यादा आहत हुआ कि 16 सितंबर को चीफ जस्टिस की कोर्ट में किसी व्यक्ति ने जनहित याचिका लगाई थी। तो गवई साहब ने पहले तो उसका पूरी तरह से मजाक उड़ाया। सीजेआई ने यह कहा कि आप मूर्ति से प्रार्थना करो जाकर, मूर्ति से कहो कि अपना सिर खुद दोबारा बना ले। किशोर ने कहा कि ठीक है उस आदमी को रिलीफ नहीं देनी थी, तो मत दीजिए,

लेकिन ऐसा मजाक भी मत कीजिए। फिर उससे कहा कि आप उसी मूर्ति के सामने जाकर ध्यान लगाएं। अन्याय यह किया कि उसकी याचिका को खारिज भी कर दिया। इन चीजों को लेकर आहत था।

बेंगलुरु पुलिस ने वकील किशोर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि अखिल भारतीय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष भक्तवचला की शिकायत के बाद वकील राकेश किशोर के खिलाफ कई धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान-बांग्लादेश बढ़ा रहे अपनी सैन्य ताकत

-अमेरिका देगा घातक मिसाइल, तो चीन देगा लड़ाकू विमान!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान में तनाव जारी है। साथ ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भी अपदस्थ पीएम शेख हसीना को लेकर भारत पर निशाना साध रही है। ऐसे में ये दोनों पड़ोसी देश अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। एक ओर जहां पाकिस्तान को अमेरिका एडवांस और घातक मिसाइल देने की बात कह रहा है। वहीं, चीन से बांग्लादेश को लड़ाकू विमान मिलने के आसार हैं। हालांकि इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के युद्ध मंत्रालय की ओर से हाल ही में अधिसूचित एक हथियार अनुबंध में एआईएम-120 अमराम मिलसाइलें के खरीदारों में पाकिस्तान का भी नाम शामिल है। अधिसूचना में कहा गया है कि इस अनुबंध में ब्रिटेन, पोलैंड, पाकिस्तान, जर्मनी, फिनलैंड, ऑस्ट्रेलिया, रोमानिया, कतर, ओमान, कोरिया, यूनान, स्विट्जरलैंड, पुर्तगाल, सिंगापुर, नीदरलैंड, चेक गणराज्य, जापान, स्लोवाकिया, डेनमार्क, कनाडा, बेल्जियम, बहरीन, सऊदी अरब, इटली, नॉर्वे, स्पेन, कुवैत, फिनलैंड, स्वीडन, ताइवान, लिथुआनिया, इजरायल, बुल्गारिया, हंगरी और तुर्की को विदेशी सैन्य बिक्री शामिल है।

वहीं बांग्लादेश ने 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर की अनुमानित लागत से चीन निर्मित 20 जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने की योजना बनाई है। मीडिया रिपोर्ट में सरकारी दस्तावेजों के हवाले से कहा गया है कि इस सौदे में प्रशिक्षण, रखरखाव और अन्य संबंधित खर्च भी शामिल है। इसमें कहा गया है कि बांग्लादेश को ये लड़ाकू विमान 2026 और 2027 में बांग्लादेशी वायु सेना के आधुनिकीकरण और राष्ट्रीय हवाई रक्षा को मजबूत करने के लिए मिलेंगे। इस सौदे पर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बता दें साल 2020 में गलवान में हुई सैन्य झड़प के बाद से ही भारत और चीन के रिश्तों में तनाव आ गया था। बाद में दोनों मुल्कों ने डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया शुरू की थी। फिलहाल, दोनों पक्ष तनाव कम करने की संभावनाएं जता रहे हैं। अगस्त में एससीओ की बैठक में पीएम मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात भी की थी।

इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, जो पाकिस्तान और चीन के मुकाबले काफी ज्यादा है। रूसी तेल की खरीद को लेकर अमेरिका भारत को निशाना बना रहा है। जबकि चीन भी रूसी तेल का बड़ा खरीददार है। साथ ही भारत ने साफ किया है कि अमेरिका और यूरोपीय संघ भी रूस से व्यापार करते हैं। खबरें है कि अमेरिका ने जी7 देशों से अपील की है कि रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर भारी टैरिफ लगाया जाए।

संपादकीय

आर्थिक नगरी के नए युग की उड़ान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई के लिए एक ऐतिहासिक क्षण साबित हुआ है। लगभग 19650 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित यह एयरपोर्ट न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश की विकास गाथा में नया अध्याय जोड़ने जा रहा है। देश के सबसे व्यस्ततम हवाई अड्डों में से एक-छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट-पर लंबे समय से यात्रियों और उड़ानों का अत्यधिक दबाव था। ऐसे में नवी मुंबई एयरपोर्ट का बनना इस दबाव को कम करने के साथ-साथ देश की उभरती अर्थव्यवस्था को पंख देने का काम करेगा। जिससे आर्थिक नगरी की उड़ान बेहतर हो सकेगी। मुंबई पहले से ही व्यापार, उद्योग और वित्त का केंद्र मानी जाती है। अब जब उसके पास दूसरा विश्वस्तरीय एयरपोर्ट होगा, तो न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि निवेशकों और उद्योगपतियों के लिए नए अवसर भी खुलेंगे। नवी मुंबई एयरपोर्ट के माध्यम से दक्षिण मुंबई से लेकर रायगढ़ और पुणे क्षेत्र तक की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। यह क्षेत्र अब आईटी, पर्यटन, व्यापारिक और लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित हो सकता है। यह परियोजना न केवल भौतिक अवसंरचना का विस्तार है, बल्कि एक नए आर्थिक क्षेत्र की नींव भी है। इस एयरपोर्ट के संचालन से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों रोजगार सृजित होंगे। निर्माण से लेकर हवाई सेवाओं, होटल उद्योग, परिवहन और व्यापार तक हर क्षेत्र को गति मिलेगी। साथ ही, यह पर्यावरणीय दृष्टि से भी एक आधुनिक परियोजना मानी जा रही है, जिसमें सौर ऊर्जा और हरित तकनीक का उपयोग किया गया है। इससे भारत की 'ग्रीन एविएशन की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। परंतु हर बड़े प्रोजेक्ट की तरह चुनौतियां भी हैं-स्थानीय निवासियों का पुनर्वास, पर्यावरण संरक्षण और यातायात व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार और स्थानीय निकायों को संवेदनशील और पारदर्शी रहना होगा। केवल ढांचागत विकास ही नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण भी उतना ही आवश्यक है ताकि विकास समावेशी हो। इस एयरपोर्ट के शुभारंभ के साथ मुंबई की उड़ानें अब और ऊंची होंगी। यह परियोजना न्यू इंडिया की उस सोच का प्रतीक है, जो आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा दोनों को साथ लेकर चलना चाहती है। मुंबई-जो कभी सपनों का शहर कही जाती थी-अब विश्व स्तरीय संपर्क के साथ एक नई दिशा में बढ़ रही है। नवी मुंबई एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि भारत के विकास की नई राह है-जहां आसमान अब सिर्फ उड़ानों का नहीं, संभावनाओं का प्रतीक बन चुका है।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठित और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मानसिक स्वास्थ्य दिवसः अनेक कामनाओ के कारण मनुष्य का मन बिखरा हुआ और अस्थिर है

कांतिलाल मांडोत

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयासों को गति देना है। मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय आ गया है।आज व्यक्ति के जीवन में अनेक विसंगतियों हैं। इन विसंगतियों का कारण मनुष्य-जीवन में बढ़ता तनाव है। व्यक्ति की लालसा है कि समग्र आकाश उसके आँगन में उतर आये। जो चीज असम्भव है, उसी की ही प्रत्याशा में वह दिन-रात लगा हुआ है। चाहे उसके लिए उसे अपनी अस्मिता को ही दाँव पर क्यों न लगाना पड़े ? वह दौड़ रहा है। एक पल भी रुकने का उसके पास समय नहीं है।

आज इनसान अपना सारा समय संसार की नश्वर चीजों को ही बटोरने में लगा रहा है। संग्रह की प्रवृत्ति उसमें निरन्तर बढ़ती जा रही है।भौतिक प्यास कभी बुझती नहीं है। जो सम्पदा उसके पास अनादिकाल से है इसकी और उसे न कोई ध्यान है और न चाह है। उसका लगाव तो क्षणिक और नश्वर चीजों में ही है। इन सब बातों का उस पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है जिसके कारण उसका जीवन अशांत व अस्थिर है। उसे कदाचित यह नहीं मालूम है कि दुनियाँ में सारी चीजें किसी एक को नहीं मिल पाती हैं।

अनेकानेक कामनाओं के कारण आज मनुष्य का मन यत्र-तत्र बिखरा हुआ है, अस्थिर है। कदाचित वह इस बात से अनभिज्ञ है कि वह अपनी समस्त कामनाओं की पूर्ति नहीं कर सकता है। जैसा किसी व्यक्ति का छलनी में जल भरना सम्भव नहीं है, ठीक उसी प्रकार कामनाओं की पूर्ति उसके लिए अशक्य है।आज पूरा विश्व तनावों से जूझ रहा है। तनावों के बोझ तले किसी एक राष्ट्र विशेष के ही नहीं, सभी राष्ट्रों के नागरिक अपना जीवन बसर कर रहे हैं। कोई भी राष्ट्र इससे अछूता नहीं है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आज यह एक विकट समस्या है। इसलिए इस पर अनेक चर्चाएँ-परिचर्चाएँ. संगोष्ठियों-सेमिनार आदि हो रहे हैं। जब से औद्योगिकीकरण, प्रौद्योगिकीकरण तथा शहरीकरण पनपा है या विकसित हुआ है, महानगरों में धुएँ उगलते, शोर मचाते यातायात बढ़े हैं, आबादी-भीड़ और मँहगाई बढ़ी है, बाजारों से रोजमर्रा की चीजें कठिनाइयों से उपलब्ध हो रहीं हैं, जल, वायु, भोजन, सब दूषित प्रदूषित हो रहे हैं, तब तनावों की यह समस्या और भयावह हुई है।

आज अधिकांश मानव तनावों की गिरफ्त में है। यह तो हो सकता है कि अमुक राष्ट्र के लोगों में यह कम या बहुतायत में हो, पर कोई राष्ट्र इससे अछूता नहीं है। आश्चर्य तो तब होता है जब भारत देश के लोग भी आज तनावों से सर्वाधिक पीड़ित-प्रपीड़ित नजर आ रहे हैं। यहाँ के लोगों की तनावपूर्ण जिन्दगी को देखकर हर कोई यह अनुभव कर सकता है कि आज का भारत पहले का भारत नहीं रहा है। उसकी छवि निश्चय ही धूमिल हुई है। कभी यह देश आध्यात्मिक शान्ति का मार्गद्रष्टा था। यहाँ अध्यात्म की गंगा सतत प्रवहमान थी। शान्त, सहज, सरल व प्रामाणिक जीवन जीने वाले यहाँ के पूर्वज जीने की कला में ही नहीं, मरने की कला में मन की मूढ़ अवस्था में विभिन्न तनाव, रोग पनपते हैं जबकि मन की अमूढता में ये ही तनाव विनसते भी हैं। इस प्रकार मन तनाव का कारण भी है और निवारक भी है। मन की यह विशेषता है कि वह सदा सक्रिय रहता है, जाग्रत रहता है। एक क्षण को भी वह न सोता है और न विश्राम ही लेता है। चाहे निद्रा में व्यक्ति हो या अनिद्रा में, किसी भी स्थिति में हो यह सदा जागता रहता है। यह बात अलग है कि उसका जागरण या उत्तकी सक्रियता बहिर्जगत की ओर हो या अन्तर्जगत की ओर, पर उसकी सक्रियता सदा बनी रहती है। स्वस्थ व तनावरहित रहने के लिए तथा शांति व आनन्द के लिए मन को रोकना नहीं अपितु मन की दिशा को मोड़ना होता है। बहिर्जगत से अन्तर्जगत की ओर यानी अध्यात्म की दिशा में मन को प्रवृत्त करना होता है।

मन, अमन की स्थिति में आए, इसके लिए नीतिकारोंने कहा कि व्यक्ति प्रामाणिकता के साथ, वर्तमान में जीना सीखे जिससे अनावश्यक कल्पनाओं, योजनाओं, स्मृतियों, चेष्टाओं का चक्र टूट सके। सोते-जागते हर समय उठने वाली अनावश्यक स्मृतियाँ-कल्पनाएँ मन को भटकाती हैं जबकि जीवन के लिए कल्पनाएँ, स्मृतियाँ जितनी आवश्यक हैं उतनी ही होनी चाहिए। क्योंकि बिना इनके जीवन चल नहीं सकता है। आवश्यक कल्पनाओं-स्मृतियों का अपना एक उपयोग होता है। इससे मन तो विश्राम पाता ही है, भारमुक्त भी होता है। साथ ही मानसिक तनावों से छुटकारा भी मिलता है।

मन की अनन्त पयार्यें होती हैं। प्रतिपल ये परिवर्तित होती रहती हैं। अनुकूलता में इसका कुछ और रूप तथा प्रतिकूलता में कुछ और ही रूप होता है। इसलिए साधकों ने इस बात पर अत्यधिक बल दिया कि पहले मन को अनुकूल और प्रतिकूल दोनों स्थितियों में सम बनाया जाए। मन को समत्व में लाने का उन्होंने एक सूत्र दिया है। यह सूत्र है सहिष्णुता का। सहिष्णुता का अभ्यास मन को समत्व भूमि पर प्रतिष्ठित कराता है। मन का समत्व भूमि पर प्रतिष्ठित होना ही मन की निर्मल अवस्था है। इससे शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की स्वस्थता प्राप्त की जा सकती है।

बदलाव एवं विकास की राह ताकता बिहार चुनाव

ललित गर्ग

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। मतदान की तिथियों की घोषणा के साथ ही लोकतंत्र का यह महायज्ञ आरंभ हो चुका है, जिसमें करोड़ों मतदाता दो चरणों में दिनांक 6 और 11 नवंबर को अपने मत के माध्यम से राज्य की दिशा और दशा दोनों तय करेंगे। इस बार का चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि विचार और व्यवस्था परिवर्तन का चुनाव है। बिहार लंबे समय से जिस पिछड़ेपन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अराजकता की बेड़ियों में जकड़ा रहा है, उससे मुक्ति का यह अवसर है। 14 नवंबर को मतगणना के साथ बिहार में नई सरकार की तस्वीर सामने होगी, लेकिन राज्य में सियासत जिस तरह आकार ले रही है, मतदान तक कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। बिहार के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह धरती कभी बुद्ध की करुणा और चाणक्य की नीति की जननी रही है, लेकिन आज वही बिहार कानून व्यवस्था की विफलताओं, जातिवाद की जंजीरों और विकासहीनता की विवशताओं से जूझ रहा है। सड़कें टूटी हैं, शिक्षा व्यवस्था जर्जर है, चिकित्सा तंत्र कमजोर है, और रोजगार की तलाश में हर साल लाखों युवा अपनी मातृभूमि छोड़ने को विवश हैं। ऐसे में यह चुनाव एक सामाजिक जागृति का अवसर भी है, जब मतदाता केवल चेहरे नहीं, चरित्र और चिंतन को वोट देंगे।

राजनीतिक दल अपनी-अपनी घोषणाओं, वादों और दृष्टि-पत्रों के साथ मैदान में हैं। कोई 'नया बिहार' बनाने का नारा दे रहा है, तो कोई 'विकसित बिहार' का। लेकिन सवाल यह है कि क्या घोषणाओं से बिहार का भाग्य बदलेगा, या फिर यह चुनाव भी परंपरागत नारों और जातीय समीकरणों के हवाले हो जाएगा? यह समय है कि जनता दलों से नहीं, दिशा से जुड़ाव करे; नारे से नहीं, नैतिकता से संवाद करे। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार बिहार का चेहरा बने हुए हैं और यह चुनाव भी अलग होता नहीं दिख रहा। मूल सवाल यही है कि क्या नीतीश को एक और मौका जनता देगी? राज्य में एनडीए ने उन्हें आगे कर रखा है और महागठबंधन से सीधी टक्कर मिल रही है। 2005 से नीतीश कुमार बीच के कुछ समय को छोड़ कर सत्ता पर काबिज हैं। इस दौरान उन्होंने 9 बार शपथ ली और कई बार पाला बदला। गठबंधन के साथी बदलते रहने और कम सीटों के बावजूद मुख्यमंत्री वही बने। इसके पीछे उनकी अपनी 'सुशासन बाबू' की छवि भी है, लेकिन अब इसे चुनौती मिल रही है। पहली बार नीतीश सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की कोशिश हो रही है। वहीं, कानून-व्यवस्था का मामला भी चिंता बढ़ाने वाला है। हाल के महीनों में पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका और हॉस्पिटल में घुसकर गैंगस्टर की हत्या ने सरकार की परेशानी बढ़ाई। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हर चुनाव में जंगलराज की तरह पेश किया, पर अब सवाल विपक्षी दल पूछ रहे हैं। यह चुनाव ऐसे अनेक सवालों के घेरे में हैं।

विकास पर जोर के बावजूद बिहार की राजनीति में जाति एक निर्णायक कारक है। हर पार्टी की चुनावी रणनीति समुदाय आधारित लामबंदी से गहराई से प्रभावित है। दोनों प्रमुख गठबंधन एनडीए ओर महागबंधन सीट बंटवारे की बातचीत में उलझे हैं। 243 विधानसभा सीटों में से गठबंधन में से किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी और किसे कोन-सी सीट मिलेगी, यह विवाद का विषय है। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला हुआ था- इस बार समीकरण में प्रशांत किशोर की जन सुराज भी है, जो भ्रष्टाचार ओर पलायन का मुद्दा उठाए हुए हैं। कुछ और भी नये राजनीतिक दल मैंदान में हैं। बिहार की सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सुदृढ़ता की है। आए दिन होने वाली अपराध घटनाएं और अराजकता ने राज्य की छवि को धूमिल किया है। एक ऐसा शासन चाहिए जो भयमुक्त समाज दे सके, जहां नागरिक सुरक्षित महसूस करें, जहां अपराध पर अंकुश हो और न्याय त्वरित मिले। विकास तभी संभव है जब विश्वास का माहौल बने।

बिहार की राजनीति में इस बार कई नए दल और कई पुराने चेहरे नए दल के साथ दिखाई देने वाले हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी 'जनसुराज', तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी पहली बार बिहार विधानसभा के चुनाव में नजर आने वाली है। ऐसे में सभी दल चुनावी जंग में ताल ठोकने को तैयार है। मगर देखने वाली बात ये होगी कि कौन सी पार्टी अपना कितना दम दिखा पाती है? क्या प्रशांत किशार की पार्टी उनके दावे के अनुसार प्रदर्शन करती है या फुस्स साबित होती है, वहीं, तेजप्रताप यादव अपनी पार्टी बनाकर तेजस्वी यादव को कितना झटका देते है। यह सब अब चुनाव के परिणाम पर तय होगा। साथ ही यह भी तय होगा कि कौन सी पार्टी अपना अस्तित्व बचा पाती है कौन नहीं? यह चुनाव बिहार की आत्मा को झकझोरने वाला क्षण है। यहां की जनता अब सिर्फ रोटी-कपड़ा-मकान नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, और सम्मानजनक जीवन चाहती है। यह चुनाव इस आकांक्षा का प्रतीक है। जो भी दल इस वास्तविकता को समझेगा, वही बिहार का भविष्य गढ़ पाएगा।

आज बिहार के मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील हैं। वे जानते हैं कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता और प्रशासनिक जवाबदेही। यह चुनाव केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि क्या बिहार अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ पाएगा। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा होती रहती है, इसलिये यह स्वाभाविक है कि राज्य का विकास, कानून व्यवस्था एवं रोजगार का मुद्दा भी पक्ष-विपक्ष के बीच एक प्रमुख चुनावी मुद्दा होगा। हालांकि पिछली सरकारों के दौर में बिहार बदहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली है। इस बार बिहार चुनाव बदला-बदला होगा, इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं। वहीं आरजेडी और कांग्रेस ने पूछा है कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा? जनता वादों पर भरोसा करती है या बदलाव संग जाती है, जवाब मिलने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

वैसे, बिहार चुनाव का इतना ज्यादा महत्व कोई नई बात नहीं है। विगत दो दशक से एक विशेष क्रम बना हुआ है। लोकसभा चुनाव के अगले साल बिहार विधानसभा के चुनाव होते हैं। केंद्र में जो पार्टी विपक्षी गठबंधन में रहती है, वह बिहार विधानसभा चुनाव में अपना पूरा जोर लगा देती है, जिससे चुनाव कुछ ज्यादा रोचक एवं उत्तेजक बन जाता है। सियासी स्थिति का आकलन करें, तो बिहार में लगभग बीस साल शासन के बावजूद जनता दल यूनाइटेड या नीतीश कुमार की ताकत को कोई भी खारिज नहीं कर रहा है। भाजपा पूरी मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ी है, ताकि सत्ता बनी रहे। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाला महागठबंधन अभी नहीं, तो कभी नहीं वाले अंदाज में जोर लगा रहा है। लोकतंत्र की इस परीक्षा में बिहार एक नई इबारत लिख सकता है-एक ऐसा बिहार जो शिक्षित हो, संगठित हो, और सजग हो। जहां राजनीति सेवा का माध्यम बने, संघर्ष का नहीं; जहां सत्ता संवेदना की भाषा बोले, स्वार्थ की नहीं। बिहार का यह जनादेश वास्तव में इतिहास रच सकता है-यदि जनता 'जाति' नहीं, 'न्याय' को चुने; 'वादा' नहीं, 'विश्वास' को चुने। यह चुनाव बिहार के भाग्य परिवर्तन की कुंजी बन सकता है-बशर्ते हम सब मिलकर कहें- 'अब की बार, सुशासन और सुधार।'

नारी शक्ति का सवश्रेष्ठ उदहारण है करवा चौथ

करवा चौथ सभी विवाहित महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक पत्नियाँ अपने पति की सलामती के लिए व्रत रखती हैं। पूरे दिन बिना पानी पिए और कुछ भी खाए व्रत रखना आसान नहीं है, लेकिन स्नेही पत्नियाँ अपने पति के प्रति पूरे प्रेम और सम्मान के साथ ये सभी रस्में निभाती हैं। यह त्यौहार हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवा चौथ का व्रत हर साल महिलाओं द्वारा अपने पतियों के लिए किया जाता हैं और यह न केवल एक त्यौहार है बल्कि यह पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व है। कहने को तो करवा चौथ का त्यौहार एक व्रत है लेकिन यह नारी शक्ति और उसकी क्षमताओं का सवश्रेष्ठ उदहारण हैं। क्योंकि नारी अपने दृढ़ संकल्प से यमराज से भी अपने पति के प्राण ले आती हैं तो फिर वह क्या नहीं कर सकती हैं। आज के नये जमाने में भी हमारे देश में महिलायें हर वर्ष करवा चौथ का व्रत पहले की तरह पूरी निष्ठा व भावना से मनाती है।

आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीघार्यु को लेकर सचेत रहती है। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहें हो मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है। करवा चौथ शब्द करवा अर्थात मिट्टी का बर्तन और चौथ अर्थात चतुर्थी से मिलकर बना है। इस पर्व पर मिट्टी के करवे का विशेष महत्व होता है। सभी विवाहित महिलाएं पूरे वर्ष इस त्योहार की प्रतीक्षा करती हैं और इसकी सभी रस्मों को श्रद्धा के साथ निभाती हैं।

हमारा देश एक धर्म प्रधान देश हैं। यहां साल के सभी दिनो का महत्व होता है तथा साल का हर दिन पवित्र माना जाता है। भारत में करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चन्द्रमा दर्शन के बाद सम्पूर्ण होता है। ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलायें करवा चौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। यह व्रत लगातार 12 अथवा 16 वर्ष तक हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियां आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं।

किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। जो सुहागिन स्त्रियां अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे व्रत रखती हैं। बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाल बांधकर ईश्वर का स्मरण कर स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें। करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। दिन में करवाचौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें।

शास्त्रों के अनुसार पति की दीघार्यु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की पूजा-अर्चना की जाती है। करवा चौथ में दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्ध्य देने के उपरान्त ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवा चौथव्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं। लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं। सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्ध्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएं। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। अपनी सासूजी को वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है। उस दिन प्रातः स्नान करके अपने पति की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें। उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर नैवेद्य हेतु लड्डू बनाएं। काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के अथवा तांबे के बने हुए अपनी सामर्थ्य अनुसार 10 अथवा 13 करवे रखें।

करवा चौथ के बारे में व्रत करने वाली महिलाएं कहानी सुनती है। एक बार पांडु पुत्र अर्जुन तपस्या करने नीलगिरी नामक पर्वत पर गए। इधर द्रोपदी बहुत परेशान थीं। उनकी कोई खबर न मिलने पर उन्होंने कृष्ण भगवान का ध्यान किया और अपनी चिंता व्यक्त की। कृष्ण भगवान ने कहा बहना इसी तरह का प्रश्न एक बार माता पार्वती ने शंकरजी से किया था। पूजन कर चंद्रमा को अर्ध्य देकर भोजन ग्रहण किया जाता है। सोने, चाँदी या मिट्टी के करवे का आपस में आदान-प्रदान किया जाता है। जो आपसी प्रेम-भाव को बढ़ाता है। पूजन करने के बाद महिलाएँ अपने सास-ससुर एवं बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लेती हैं। तब शंकरजी ने माता पार्वती को करवा चौथका व्रत बतलाया। इस व्रत को करने से स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षा हर आने वाले संकट से वैसे ही कर सकती हैं जैसे एक ब्राह्मण ने की थी। प्राचीनकाल में एक ब्राह्मण था। उसके चार लडके एवं एक गुणवती लडकी थी। एक बार लडकी मायके में थी। तब करवा चौथ का व्रत पड़ा। उसने व्रत को विधिपूर्वक किया। पूरे दिन निर्जला रही। कुछ खाया-पीया नहीं, पर उसके चारों भाई परेशान थे कि बहन को प्यास लगी होगी, भूख लगी होगी, पर बहन चंद्रोदय के बाद ही जल ग्रहण करेगी।भाइयों से न रहा गया उन्होंने शाम होते ही बहन को बनावटी चंद्रोदय दिखा दिया। एक भाई पीपल की पेड़ पर छलनी लेकर चढ़ गया और दीपक जलाकर छलनी से रोशनी उत्पन्न कर दी। तभी दूसरे भाई ने नीचे से बहन को आवाज दी देखो बहन चंद्रमा निकल आया है। पूजन कर भोजन ग्रहण करो।

बहन ने भोजन ग्रहण किया। भोजन ग्रहण करते ही उसके पति की मृत्यु हो गई। अब वह दुःखी हो विलाप करने लगी। तभी वहां से रानी इंद्राणी निकल रही थीं। उनसे उसका दुःख न देखा गया। ब्राह्मण कन्या ने उनके पैर पकड़ लिए और अपने दुःख का कारण पूछा। तब इंद्राणी ने बताया कि तूने बिना चंद्र दर्शन किए करवा चौथ का व्रत तोड़ दिया इसलिए यह कष्ट मिला। अब तू वर्ष भर की चौथ का व्रत नियमपूर्वक करना तो तेरा पति जीवित हो जाएगा। उसने इंद्राणी के कहे अनुसार चौथव्रत किया तो पुनः सौभाग्यवती हो गई। इसलिए प्रत्येक स्त्री को अपने पति की दीघार्यु के लिए यह व्रत करना चाहिए। द्रोपदी ने यह व्रत किया और अर्जुन सकुशल मनोवांछित फल प्राप्त कर वापस लौट आए। तभी से हिन्दू महिलाएं अपने अखंड सुहाग के लिए करवा चौथ व्रत करती हैं।

कहते हैं इस प्रकार यदि कोई मनुष्य छल-कपट, अहंकार, लोभ, लालच को त्याग कर श्रद्धा और भक्तिभाव पूर्वक चतुर्थी का व्रत को पूर्ण करता है। तो वह जीवन में सभी प्रकार के दुखों और क्लेशों से मुक्त होता है और सुखमय जीवन व्यतीत करता है। भारत देश में चौथमाता का सबसे अधिक ख्याति प्राप्त मंदिर राजस्थान राज्य के सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा गांव में स्थित है। चौथ माता के नाम पर इस गांव का नाम बरवाड़ा से चौथ का बरवाड़ा पड़ गया। यहां के चौथ माता मंदिर की स्थापना महाराजा भीमसिंह चौहान ने करवायाथा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

मिशन शक्ति की प्रेरक पहल: बिटिया यशिका प्रकाश बनी एक दिन की डीएम

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वालंबन के अंतर्गत जनपद अमरोहा मे राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की 11 वी की छात्रा यशिका प्रकाश को एक दिन की सांकेतिक जिलाधिकारी बनाया गया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा छात्रा को बुके देकर सम्मानित किया और छात्रा को बैग वितरण करते हुए अपने कार्यप्रणाली के बारे अवगत कराया और कहा कि मिशन शक्ति 5.0 का उद्देश्य छात्राओं को सशक्त बनाना और उनका आत्मविश्वास बढ़ाना था। यह अभियान महिलाओं और बच्चियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन और प्रशासन स्तर पर चलाया जा रहा है। अभी हमारी नई युवा पीढ़ी है, जो स्कूली शिक्षा में अध्ययनरत है उन्हें इसके माध्यम से प्रेरणा मिल सके तथा शासन-

प्रशासन के उच्च पदों पर जाने के लिए उनका मनोबल बढ़ सके। उन्होंने कहा कि नारी के सम्मान से ही देश का गौरव बढ़ेगा। लोगों को बताना है कि बेटिया भी बेटों से किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उन्हें बिना भेदभाव के शिक्षित कर आगे बढ़ाने की जरूरत है। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में पूरे प्रदेश में मिशन शक्ति 5.0' अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रत्येक पद के लिए एक-एक छात्रा को एक दिन के लिए अधिकारी नियुक्त किया जाता है, ताकि महिलाओं में यह विश्वास जागे कि वे भी उच्च पदों पर आसीन होकर देश की सेवा कर सकती हैं। कहा कि छात्रा अत्यंत प्रतिभाशाली है और उनका सपना है कि वे भविष्य में एक अधिकारी बनकर देश के विकास में योगदान दें। उन्होंने कहा कि यदि महिलाओं को सही समय पर अवसर और सुरक्षित माहौल प्रदान किया जा रहा है जिससे वो हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं जिस क्षेत्र में भी कार्यरत है, उसमें वो अपना नाम कर सकती है और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन सकती है। कार्यक्रम के तहत छात्रा यशिका प्रकाश ने जिलाधिकारी के कार्यालय में बैठकर जनसुनवाई कार्यक्रम का संचालन किया। छात्रा द्वारा समस्याओं को गंभीरता से सुना और शिकायतों के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। तहसील अमरोहा के ग्राम बागड़पुर इम्मा की निवासी बबीता ने अपनी शिकायत बताते हुए कहा कि राशन कार्ड बनाने के लिए आय प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहा है। ग्राम जलालपुर उमर के निवासी गंगासरन पुत्र भगवान सिंह ने भूमि को अभिलेखों में दर्ज करने की बात कही जिस पर यशिका प्रकाश ने शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापरक निस्तारण का आश्वासन दिया। इस अवसर ने न केवल यशिका के चेहरे पर गर्व और खुशी की चमक बिखेरी, बल्कि वहां मौजूद सभी लोगों को गहराई से प्रभावित किया। छात्रा ने कहा कि आज जिलाधिकारी बनना उसका सपना पूरे होने जैस है। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर शशि भूषण पाठक, राकेश सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी, गजेंद्र कुमार, आदिल, परामर्शदाता, हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन के कार्मिक कु0 ललिता रानी, जेण्डर विशेषज्ञ,सखी वन स्टॉप सेन्टर की ममता दुबे सेंटर मैनेजर, चंद्र जीत, पटल सहायक, अध्यापिका, आदि उपस्थित रहे।

धान की फसल का क्रॉप कटिंग प्रयोग गाटा संख्या- 22 में 17.200 किलोग्राम निकला बजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा ग्राम खाता, तहसील अमरोहा, जनपद अमरोहा में धान की फसल का क्रॉप कटिंग प्रयोग गाटा संख्या- 22 में प्रथम कृषक ईश्वर चंद्र शर्मा पुत्र कृपाराम शर्मा के खेत में किया गया जिसमें धान कुल वजन 17.200 किलोग्राम निकला। इसी प्रकार दूसरे कृषक अमरनाथ पुत्र निरंकार शर्मा के खेत में किया गया जिसमें कुल 18. 200 किलोग्राम धान निकला। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी अमरोहा, तहसीलदार अमरोहा, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल बीमा कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अमरोहा ट्रेड फेयर को सफल बनाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सौंपे दायित्व

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में रामलीला मैदान अपोजिट जे०एस० हिन्दू डिग्री कालेज अमरोहा में जनपद में 09 से 18 अक्टूबर तक लगने वाले अमरोहा ट्रेड फेयर के सम्बन्ध में प्रभारियों और सह प्रभारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में अमरोहा ट्रेड फेयर में लगे अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए। जिलाधिकारी ने मेले को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारियों को अपने दायित्वों का समयबद्ध और प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के साथ-साथ अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए अमरोहा ट्रेड फेयर के सम्पूर्ण व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी मुख्य विकास अधिकारी होंगे। उनके सहयोग हेतु सह-प्रभारी उपायुक्त उद्योग केन्द्र, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, उपनिदेशक कृषि, उपायुक्त जी०एस०टी० एवं जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी होंगे। फेयर का विधिवत उद्घाटन जनप्रतिनिधियों द्वारा दिनांक 11 अक्टूबर को सायं 05:00 बजे किया जाएगा। तपश्चात सायं 06:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रतिदिन मेला दो सत्रो में आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रथम सत्र 03:00 बजे से 06:00 बजे के मध्य योजनाओं/कार्यक्रमों के सम्बन्ध में सम्बन्धित विभाग द्वारा जनमानस को योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा। द्वितीय सत्र सांय 06:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे के मध्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कार्यक्रम के अनुसार सम्बन्धित प्रभारियों द्वारा कराया जाएगा। फेयर में पुलिस सहायता केन्द्र के प्रभारी क्षेत्राधिकारी, अमरोहा होंगे तथा निःशुल्क चिकित्सा डेस्क के प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी होगे, जो प्रतिदिन के लिए सह-प्रभारी अपने स्तर से नामित करेंगे। बैठक के उपरांत जिलाधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों के साथ मेला स्थल का भ्रमण किया गया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर शक्ति सिंह, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त, उप निदेशक कृषि डॉ0 रामप्रवेश, अधिशासी अधिकारी डॉ0 बृजेश कुमार, उपायुक्त उद्योग शैलेन्द्र सिंह सहित समस्त प्रभारी और सहप्रभारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत नारी सुरक्षा ,नारी सम्मान ,नारी स्वालंबन को लेकर कार्यक्रम का आयोजन

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को मिशन शक्ति फेस 5.0 के अंतर्गत थाना रहरा क्षेत्र के ग्राम बुराबली में मिशन शक्ति सुरक्षा दल डोली शर्मा, प्रिया पंवार द्वारा महिलाओं को साईबर क्राइम व विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे 1090,,1076 , 1930,112आदि तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाएं जैसे वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, पूर्व दशम छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री अभिउदय योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, साइबर अपराध 1930 एवं पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 आदि से अवगत कराया गया तथा अधिक से अधिक लाभान्वित होने के लिए प्रेरित किया गया।

नायाब अब्बासी डिग्री कालिज में निबंध लेखन प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति फेज पाँच के तहत गुरुवार को नायाब अब्बासी डिग्री कालिज में महिला सशक्तिकरण के शीर्षक से निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।काफी छात्र छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया और अपने विचार प्रस्तुत किए ।इस प्रतियोगिता का परिणाम ३१ अक्तूबर को लोह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयन्ती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में घोषित कर विजयी छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम से

पूर्व प्राचार्या डा. लुबना हामिद ने कहा कि नारी ने हर युग में अपनी महत्ता सिद्ध की है चाहे वह सावित्री हो रज़िया सुल्तान हो उस ने अपना धर्म हर युग में निभाया है । चीफ प्राक्टर डा.महताब अमरोहवी ने कहा कि महिला कभी कमजोर नहीं थी बल्कि लोक लाज और रिश्तों को निभाने के कारण काफी कुछ सहती है इस समर्पण को उसकी कमजोरी कहना उचित नहीं है । इस अवसर पर डा. सरिता रानी ,डा.निकहत नकवी, उजमा सैफी, अरमान सिद्दीकी,डा. नसीम अहमद,जुनैद आलम , डा. मुबारक अली , डा.महताब आलम ,इज्जत अली ,डा.रेशमा जैदी ,रुमाना आबिदी, अर्चना शर्मा, डा. रुचि अग्रवाल समेत सभी स्टाफ सदस्यों ने अपने विचार रखते हुए महिला सशक्तिकरण पर सरकार के प्रयासों की सराहना की ।

खाद्य विभाग की छापेमारी,अवैध रूप से संचालित सोनपापड़ी बनाने की फैक्ट्री में की धरपकड़

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली में खाद्य विभाग की टीम ने छापेमारी करते हुए अवैध रूप से संचालित सोनपपड़ी बनाने की फैक्ट्री में धरपकड़ करते हुए यहां से डीसीएम कैंटर में लोड होकर भेजी जा रही 3500 सोनपपड़ी के डिब्बे भी जब्त किए गए। डिब्बे पर किसी बड़े ब्रांड का नाम भी अवैध रूप से छापा गया था। बता दें कि गुरूवार को मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनय अग्रवाल के नेतृत्व में खाद्य विभाग की टीम ने नगर के मुहल्ला जलालनगर में छापेमारी की और अवैध रूप से संचालित सोनपपड़ी की फैक्ट्री की धरपकड़ की। यहां से 3500 सोनपपड़ी के डिब्बे भी जब्त किए गए, जो कि एक डीसीएम कैंटर में भरकर दूसरे स्थान पर ले जाने की तैयारी चल रही थी। डिब्बो पर एक बड़े ब्रांड का नाम छपा हुआ था जिसका कोई वैध लाइसेंस भी संचालक के पास नहीं था। टीम ने फैक्ट्री के संचालक इसरार पुत्र अब्दुल करीम निवासी मुहल्ला साहनपुर तहसील नजीबाबाद जिला बिजनौर से भी पूछताछ की और नोटिस थमाया। इस मौके पर टीम में अरविंद कुमार, कुलदीप दीक्षित, राकेश कुमार, मनोज कुमार आदि खाद्य सुरक्षा अधिकारी सम्मिलित रहे।

करवाचौथ के अवसर पर उत्सव का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में करवा चौथ के पर्व के अवसर पर नगर की अग्रवाल भवन में उत्सव का आयोजन कराया गया। इस अवसर पर अग्रवाल भवन में महिलाओं ने तरह-तरह के आयोजन में भागीदारी कर करवा चौथ के पर्व को और भी सुहाना बना दिया। बता दें कि महिला वैश्य सभा द्वारा करवाचौथ पर्व के उपलक्ष्य में नगर के अग्रवाल

भवन में उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने डांडिया खेलते हुए सामुहिक नृत्य में उत्साह के साथ भागीदारी करते हुए समां बांध दिया। इस दौरान बालिकाओं ने भी गीत और कविता प्रस्तुत किए। इस अवसर पर महिला अग्रवाल सभा की अध्यक्षा विनीता, कंचन, रीमा बंसल, प्रीति मित्तल, सुमन सिंघल, भारती सिंघल, मानसी अग्रवाल, दीप्ति जैन, रेनू सिंगल, विनीत गर्ग, रचना सिंघल, श्वेता बंसल,गीता गोयल, रूपल जैन, पूजा मित्तल, ऋषि वाला, बंदना गोयल, पलक गर्ग आदि महिलाओं ने भाग लिया।

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत नारी सुरक्षा ,नारी सम्मान ,नारी स्वालंबन को लेकर कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत नारी सुरक्षा ,नारी सम्मान ,नारी स्वालंबन के अंतर्गत ब्लॉक अमरोहा, गाम-कल्याणपुरा में बाल विवाह को ना शिक्षा को हां का कार्यक्रम आयोजित किया गया कु0 ललिता रानी, जेंडर स्पेशलिस्ट द्वारा बताया गया किबाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत लड़की की शादी उम 18 वर्ष से कम और किसी लड़के की शादी 21 वर्ष से कम उम्र नहीं होनी चाहिए! बाल विवाह से लड़क्यिो के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं, इससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा आती है, लड़क्यिो की पढ़ाई बीच में ही रुकवा दी जाती है जिससे लड़क्यिो अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाती, और उनके बच्चों का भविष्य भी असुरक्षित हो जाता है, शिक्षा की कमी के कारण बाल विवाह होने के उपरांत वह आर्थिक रूप से अपने जीवनसाथी पर निर्भर

रहना पड़ता है। कम उम्र मे विवाह बच्चों के बचपन और भविष्य को छीन लेता है! लड़कियों को शिक्षित होना बहुत ही जरूरी है। शिक्षा लड़कियों को आत्मविश्वास देती है और उन्हें अपने जीवन के बारे में स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। इसके साथ ही शिक्षित लड़कियां को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी अधिक होती है, जिससे वे अपने और अपने परिवार के लिए बेहतर स्वास्थ्य निर्णय ले पाती हैं, अपूर्वा, लेखाकार द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना एवं स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित पेंशन योजना एवं वन स्टाप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं वहां प्राप्त होने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ में 18 वर्ष से कम उम्र के बालक व बालिकाओं के साथ हों रही यौन हिंसा से बचने व उनकी शिकायत करने एवं अपनी बात खुलकर रखने के बारे में जानकारी दी गई और उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 1090, 112, 1076 की जानकारी भी प्रदान की गई। दहेज प्रथा को समाप्त करने, ,बाल श्रम को रोकने के लिए सभी को जागरूक किया गया। इस अवसर पर हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन के कार्मिक कु0 ललिता रानी, जेण्डर विशेषज्ञ, अपूर्वा, लेखाकार ,सखी वन स्टॉप सेन्टर की ममता दुबे सेंटर मैनेजर, चन्द्रजीत, पटल सहायक आदि उपस्थित रहे।

पूर्व कैबिनेट मंत्री/विधायक कांठ कमाल अख्तर ने काशीराम जी को दी श्रद्धांजलि

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- विधायक काँठ एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री कमाल अख़्तर ने हसनपुर स्थित समाजवादी पार्टी कैंप कार्यालय पर कांशीराम साहब के 19वें परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में ससम्मान उपस्थित होकर उन्हें शत-शत नमन एवं अपार श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर कमाल अख़्तर ने कहा, कि कांशीराम साहब एक ऐसे समाज सुधारक थे, जिन्होंने अपने जीवन को पूरी तरह समाज के वंचित, शोषित, पिछड़े और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उनका संघर्ष समाज में समानता, भाईचारे और न्याय की स्थापना के लिए था। उन्होंने हमेशा समाज को एकजुट रहने और अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर संघर्ष करने का संदेश दिया। कमाल अख़्तर ने आगे कहा, कि कांशीराम साहब का योगदान भारतीय राजनीति

में अविस्मरणीय है। उन्होंने उन लोगों को आवाज दी, जिनकी आवाज सदियों से दबाई गई थी। समाजवादी पार्टी भी उसी विचारधारा पर चलती है। जो सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे के सिद्धांतों पर आधारित है। उन्होंने उपस्थित कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे कांशीराम साहब के बताए हुए मार्ग पर चलते हुए समाज के हर वर्ग को जोड़ने और उसकी बेहतरी के लिए कार्य करें। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, कि कांशीराम साहब जैसे महापुरुषों के आदर्श हमेशा हमें प्रेरित करते रहेंगे। उनके संघर्षों और विचारों को आगे बढ़ाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अखिलेश जाटव, नवल जाटव, सहित समाजवादी पार्टी के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सम्मानित नागरिक और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने मिलकर कांशीराम साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर नवल कुमार जाटव, अखिलेश जाटव,साजिद खान, पूर्व विधायक पीतम सिंह, रूपचंद जाटव, डॉक्टर बबलू गौतम, सुधीर जाटव ,रिंकू जाटव मटीपुरा, आरिफ अख़्तर, फारूक प्रधान, संदीप गुर्जर, फैसल अल्वी, वसीम मलिक , विक्की अब्बास, राहुल सागर,रुम सिंह सागर, अनिल जाटव, पप्पू जाटव, बंटी जाटव ,कविराज, आदित्य जाटव ,मिंटू जाटव ,दिनेश जाटव,अंकित जाटव, महेश प्रधान, हरबंस प्रधान, चंद्रभान जाटव, रूप किशोर जाटव, रवि जाटव राजीव जाटव, विकास जाटव अरुण जाटव,पप्पू जाटव,विजय जाटव,ओमकार जाटव, सागर साहब, कुमरपाल जाटव, आदित्य जाटव, मेहर सिंह जाटव, कुलदीप जाटव, लिखवा जाटव, छत्रपाल जाटव सुनील कुमार जितेंद्र जाटव आदि लोग मौजूद रहे।

संभल में पहुंची 'भारत स्वाभिमान क्रांति रथ यात्रा', जनजागरण की लहर बनी

संभल(सब का सपना):- भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के बैनर तले शुरू हुई भारत की मिट्टी, भारत का स्वाभिमान क्रांति रथ यात्रा' आज संभल जिले में दाखिल होकर राष्ट्र जागरण का नया अध्याय लिख रही है। 3 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर से प्रस्थानित यह ऐतिहासिक यात्रा, नागरिक चेतना का संदेश लेकर पूरे देश को जोड़ते हुए 15 अक्टूबर को भारत-नेपाल सीमा पर बहराइच में समापन की ओर अग्रसर है। यह यात्रा मात्र एक रैली नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक प्रखर अभियान है, जो हर भारतीय के हृदय में स्वाभिमान, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रीय एकता की ज्योति जला रही है। यात्रा के प्रमुख उद्देश्यों में नागरिकों को उनके कर्तव्यों के प्रति जागृत करना, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना और मातृभूमि के प्रति गहन संवेदनशीलता का विकास शामिल है। विभिन्न पड़ावों पर आयोजित जनसभाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और संवाद गोष्ठियों में वक्ताओं ने नागरिक उत्तरदायित्व, स्वच्छता अभियान, सामाजिक एकता तथा सांस्कृतिक विरासत की रक्षा पर जोर दिया। युवा, महिलाएं, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता, विद्यार्थी और आम नागरिकों की भारी भीड़ इसे एक जनांदोलन का रूप दे रही है।संभल शहर में रथ यात्रा का आगमन होते ही पूरे इलाके में उत्साह का सैलाब उमड़ पड़ा। स्थानीय नागरिकों ने फूल मालाओं, जयकारों और नारों से यात्रा

का स्वागत किया, जो जल्द ही एक जनोत्सव में बदल गया। रथ के दर्शन मात्र से जनमानस में राष्ट्रीय गौरव और आत्मविश्वास की लहर दौड़ पड़ी। जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी के नेतृत्व में संघ के कार्यकताओं ने यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाई। भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. विनोद नागर के दूरदर्शी नेतृत्व में संचालित यह यात्रा राष्ट्र के हर कोने में आत्मगौरव का संदेश पहुंचा रही है। 15 अक्टूबर को जब यह रथ भारत-नेपाल सीमा पर पहुंचेगा, तब तक यह देशव्यापी राष्ट्र पुनर्जागरण और आत्मनिष्ठा के नए युग की नींव रख चुकी होगी।
इस अवसर पर हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें अशोक कुमार अधाना, कुलदीप शर्मा, मिंकू चौधरी, सुभाष चाहल, शिवनारायण सैनी, अनमोल कुमार, सरदार गुरु वचन सिंह, धीरज सिंह, सतपाल सिंह अधाना, दीपक गुर्जर, रविंदर प्रताप, श्याम हर्षयाना, विनीत नागर, विवेक नागर, कमल सिंह सैनी, निर्देश कुमार, सुरेन्द्र चौधरी, चौधरी ऋषिपाल सिंह, राजीव कुमार उर्फ बाबूजी, मेहंदी हसन, सेवक सैनी, अवधेश कुमार, विवेक कुमार, अमरपाल सिंह, हरवेन्द्र चौधरी, प्रवेन्द्र यादव, अरुण चौधरी, धीरेंद्र त्यागी, गणेश कुमार, यामीन मलिक, भानु प्रताप सैनी, फरमान अली, मोहसिन राजा, आदेश यादव, केशव यादव, उसमान मलिक, पवन कुमार, अशरफ अली प्रमुख थे।महिला मोर्चा से रविता देवी, ननीहा देवी, निशा देवी, भूरी देवी, अतलेश देवी, सुमन देवी, प्रदेव देवी, कस्तूरी, शकुंतला, कश्मीरी, रानी आदि ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यकताओं ने यात्रा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता के संकल्प को दोहराया। यह यात्रा न केवल जनचेतना की अविरल धारा बन चुकी है, बल्कि भारत की मिट्टी से उपजी एक विराट क्रांति का प्रतीक भी है। संभल जैसे छोटे शहरों से गुजरते हुए यह यात्रा पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने का संकल्प ले रही है।

अक्टूबर 2025 में अंत्योदय और पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को मुफ्त खाद्यान्न वितरण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- आयुक्त, खाद्य एवं रसद विभाग, उत्तर प्रदेश, जवाहर भवन, लखनऊ के पत्रांक 4591, दिनांक 6 अक्टूबर 2025 के अनुसार, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत अंत्योदय और पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को अक्टूबर माह के लिए निःशुल्क खाद्यान्न वितरण का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। यह वितरण 10 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा। अंत्योदय अन्न योजना के तहत लाभार्थियों को प्रति कार्ड 14 किलोग्राम गेहूं, 16 किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल और 5 किलोग्राम मक्का (उपलब्धता के आधार पर चावल के स्थान पर) निःशुल्क वितरित किया जाएगा। चावल और मक्का को मिलाकर प्रति कार्ड कुल 21 किलोग्राम खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को प्रति यूनिट 2 किलोग्राम गेहूं, 2 किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल और 1 किलोग्राम मक्का (उपलब्धता के आधार पर) सहित कुल 5 किलोग्राम खाद्यान्न निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। वितरण प्रक्रिया में पोर्टेबिलिटी ट्रांजेक्शन की सुविधा उपलब्ध होगी, जिसके तहत उपभोक्ता किसी भी उचित दर दुकान से खाद्यान्न प्राप्त कर सकेंगे। जिन उपभोक्ताओं के पास आधार प्रमाणीकरण की सुविधा नहीं है, वे मोबाइल ओटीपी सत्यापन के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त कर सकते हैं। खाद्यान्न वितरण की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है। जनपद संभल के अंत्योदय और पात्र गृहस्थी लाभार्थियों से अपील की गई है कि जिन्होंने अभी तक अपनी ई-केवाईसी नहीं कराई है, वे निकटतम उचित दर दुकान पर जाकर इसे अवश्य पूरा करें। यह योजना उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लाभार्थियों से अनुरोध है कि वे निर्धारित तिथियों के भीतर अपने हिस्से का खाद्यान्न प्राप्त कर लें।

पूर्व छात्र परिषद की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- बृहस्पतिवार को नगर में स्थित विद्यालय लाला सोहन लाल सरस्वती शिशु मंदिर जूनियर हाईस्कूल मोहल्ला महाजन चंदौसी में पूर्व छात्र परिषद की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। आगंतुक सभी भैया बहिनों द्वारा सर्वप्रथम वंदना सत्र में दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कराए। गठन अध्यक्षता पूर्व छात्र परिषद सम्भल के जिला संयोजक हृदेश यादव एडवोकेट जी ने की।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य सुरेन्द्र सिंह राजपूत जी ने सभी पूर्व छात्रों को परिषद के द्वारा किए जाने वाले कार्यों का उल्लेख किया। तथा नवीन कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पूर्व छात्र प्रभारी आचार्य राजवीर सिंह, आचार्या रुचि अग्रवाल आदि उपस्थित रहीं। इस दौरान भुवनेश वार्ष्णेय, अभिषेक शर्मा, अभिजीत सिंह, कपिल तिवारी, सुधांशु शर्मा, राशि अग्रवाल, निखिल वार्ष्णेय, आदित्य पाटिल, रितिका पाटिल, कनक गौतम, दीक्षा वार्ष्णेय, नंदिनी, आर्यन, मणिक सिंह, कृष्णपाल मौजूद रहे।

साइबर अपराधियों पर बड़ी कार्रवाई, ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह के दो अभियुक्त गिरफ्तार

सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद सम्भल में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत साइबर क्राइम थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। सहायक पुलिस अधीक्षक,क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम आलोक कुमार भाटी के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक अमन सिंह और उनकी टीम ने ऑनलाइन सट्टेबाजी के एक संगठित गिरोह के दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। 9 अक्टूबर को थाना साइबर क्राइम, जनपद सम्भल की पुलिस टीम ने लोन माफ कराने के नाम पर जनता से बैंक पासबुक और एटीएम कार्ड प्राप्त कर फर्जी तरीके से मोबाइल नंबर बदलवाकर गेमिंग साइट्स पर धनराशि वितरित करने वाले गिरोह के दो अभियुक्तों को धर दबोचा। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ थाना साइबर क्राइम में मुकदमा पंजीकृत

किया गया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि यह संगठित गिरोह एक अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म इडइ777 के तहत फ्रेंचाइजी मॉडल पर काम कर रहा था। इस गिरोह ने देश के विभिन्न हिस्सों में फ्रेंचाइजी खोली थीं, जिनमें से एक दिल्ली के शालीमार बाग में संचालित थी। इस फ्रेंचाइजी के मालिक जय कक्कड़ और आदित्य गुप्ता थे, जबकि इसका मैनेजर इंगित कोहली (निवासी चन्दौसी, हाल पता पंचकुला, हरियाणा) था। यह गिरोह फर्जी आधार कार्ड और सिम कार्ड के जरिए अवैध खाते खोलकर ऑनलाइन सट्टेबाजी का संचालन करता था। आरोपियों ने दीपक सिंह की मदद से आधार कार्ड में फर्जी पता परिवर्तन करवाकर सिम कार्ड हासिल किए और इनका उपयोग अवैध खातों को लिंक करने में किया। इससे पुलिस के लिए इन तक पहुंचना मुश्किल हो जाता था। गिरोह के सदस्य मुकेश कक्कड़ अवैध सिम के जरिए खातों की मॉनिटरिंग और भारी मात्रा में नकदी का लेन-देन करते थे। इसके अलावा, तान्या उर्फ तन्नू तलवार, अजय, सार्थक और अंकित जैसे लोग विभिन्न अवैध गेमिंग पैनल जैसे नीना, किंग, एडी बुक और एस बुक के जरिए इस सट्टेबाजी नेटवर्क को संचालित करते थे। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा, जो नोडल साइबर क्राइम सम्भल भी हैं, और क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार भाटी के निकट पर्यवेक्षण में इस अभियान को अंजाम दिया गया। पुलिस ने इस गिरोह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा कि साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे। जनता से अपील की गई है कि वे किसी भी तरह की संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधियों से सावधान रहें और तुरंत पुलिस को सूचित करें।

ट्रांसपोर्ट अदा करे गुम हुए समान की कीमत - उपभोक्ता आयोग

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- बहजोई निवासी शिवम् वार्ष्णेय काली मंदिर रोड पर शिवसार मेडिकल चलाते हैं उन्हें अपने मरीजों के लिए मुरादाबाद से कुछ दवाओं को सितंबर 2024 में जय देश ट्रांसपोर्ट से मंगाया था जो व्यापारी ट्रांसपोर्ट बहजोई के माध्यम से प्राप्त होनी थी । जब दवाईयां प्राप्त नहीं हुई तो उन्होंने दोनों ट्रांसपोर्ट पर संपर्क किया तो दोनों एक दूसरे पर टालम टोल करने लगे जब वास्तविकता पता चली तो शिवम द्वारा बुक कराए गए दो नगों में से एक नग गुम हो गया और ट्रांसपोर्ट वाले एक ही नग की बात कह कर पल्ला झाड़ रहे थे परेशान हो कर वो उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय से मिले और सारी बात बताई तब उनकी ओर से एक परिवाद जिला उपभोक्ता आयोग में दाखिल किया गया जहां आयोग दे दोनों पक्षों को तलब किया तो उन्होंने बताया कि हमारे यहां एक ही नग बुक किया था जो गुम हो गया है । वादी के अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय ने बताया कि खोए हुए नागो के संबंध में कोई भी गुमशुदी कही दर्ज नहीं कराई गई है और न ही बिल्टी पर उनका मूल्य अंकित किया गया है ऐसी स्थिति में विपक्षी खोए हुए माल की कीमत 29290 रुपए परिवादी को अदा करने के लिए जिम्मेदार है। आयोग ने दोनों पक्षों की बहस को सुना और आदेश दिया कि विपक्षी जयदेश ट्रांसपोर्ट एण्ड फावर्डिंग ऐजेंसी मुरादाबाद के संचालक को आदेशित किया जाता हैं कि वह परिवादी शिवम् वार्ष्णेय को बुक की गई दवाओं की कुल कीमत महालिंग 29290 रुपए उस पर परिवाद संस्थान की तिथि से 7% वार्षिक ब्याज सहित अंदर दो माह में अदा करें। इसके अलावा विपक्षी परिवादी को मुबलिग बीस हजार रुपए मानसिक कस्ट एवं आर्थिक हानि के मद में तथा पांच हजार रुपए वाद व्यय के मद में भी अदा करेगी। नियत अवधि में धनराशि अदा न किए जाने की दशा में ब्याज 9% वार्षिक की दर से देय होगा।

मलेरिया और डेंगू से बचाव के लिए फॉगिंग और जागरूकता अभियान

संभल(सब का सपना):- मुख्य चिकित्सा अधिकारी, संभल के निदेशानुसार मलेरिया विभाग ने ब्लॉक रजपुरा के ग्राम भिरावटी में फॉगिंग अभियान चलाया। इस दौरान ग्रामवासियों को डेंगू, मलेरिया जैसे वेक्टर जनित रोगों से बचाव के लिए जागरूक किया गया। अभियान का

उद्देश्य जनमानस को इन रोगों से बचाव के उपायों और सावधानियों की जानकारी देना था।
मलेरिया विभाग ने नारा दिया, मच्छरदानी लगाओ, मलेरिया भगाओ; पानी जमा न होने दो, मलेरिया से बचाव के बारे मे ग्रामवासियों को क्या करें और क्या न करें के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई।

मनोना धाम में वर्षा कवियों का रस

आवला (सब का सपना):- श्री श्याम मंदिर मनौना धाम मे प्रथम वार ओमेन्द्र चौहान महाराज के जन्मोत्सव कार्यक्रम पर धाम परिसर मे विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमे कवियो ने अपनी कविता से सभी श्याम प्रेमियो का मन मोह लिया और तालिया बजाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम की शुरूरात कार्यक्रम अध्यक्ष व्यवस्थापक आर्येन्द्र चौहान ने वाबा श्याम के चित्र पर दीप प्रजलित कर तथा पुष्प अर्पित कर कवि सम्मेलन की विधिवत शुरूआत की। कार्यक्रम अध्यक्ष ने सभी कवियो का वाबा की माला अंगवस्त्र तथा पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया। कवि सम्मेलन का संचालन वीर रस के कवि भूराज सिंह राजलायर ने किया। सर्वप्रथम मां शारदे की स्तुति गीतकार अभिषेक अनंत ने की। फिर अपना काव्य पाठ किया। धाम की दिव्यता को नमन मूर्ति की नव्यता को नमन भाव भर,कर रहा भव नमन श्याम की भव्यता को नमन अभिषेक अनंत (गीतकार) ने गाया मन को मधुवन

बना लिया। मैंने दिल को निधिवन बना लिया मैंने प्रेम में बन गई स्वयं मीरा तुमको मोहन बना लिया। मैंने सरिता सिंह बदायू, दर्द का हाल भी नहीं बाँटू गम -ए -पामाल भी नहीं बाँटू आप तलवार बाँटते जाएँ और मैं ढाल भी नहीं बाँटू आदित्य तोमर नीचों के विरुद्ध युद्ध हम न रचेंगे फिर, इस धर्मयुद्ध का रचईया बनेगा कौन धर्म हित हाथ में न लेंगे तलवार हिन्दु, फिर हिन्दू धर्म का खिबईया बनेगा कौन अखिलेश ठाकुर वही सांचे वही खांचे ढले तुम भी ढले हम भी वही पगडंडिया जिन पर चले तुम भी चले हम भी मगर कल आकलन होगा तुम्हारा भी हमारा भी वही भागीरथी के तट जले तुम भी जले हम भी झभूराज सिंह मुक्तक सम्राट जीने को जी तो लेंगे तुम्हारे बगैर हम पर जी के क्या करेंगे तुम्हारे बगैर हम सूरज के दम से ही तो दिशाओं का ज्ञान है हर मोड़ पर मुड़ेंगे तुम्हारे बगैर हम श्री दत्त शर्मा मुज्तर बिसौलवी कोई मुशिकल जो आ जाये मनौना धाम आ जाना तुम्हारा मन जो घवराये मनौना धाम आ जाना जमाने मे चिकित्सक रोगियो को ला दवा कहकर अगर रोगी को ठुकाराये मनौना धाम आ जाना - उज्जवल विशष्ठ वदायू हर खबर रखता है वो इंसान की क्या गजब की वात है भगवान की मुझको भी ऐसा बना दो मुरलीधर जैसे है भक्ति अमर रसखान की। शिव कुमार शर्मा (अमन) इस्लामनगर अपने काब्य पाठ की प्रस्तुति दी वहा मैजूद श्याम भक्तो ने धार्मिक काब्य पाठ का आन्नद लिया और जमकर तालिया बजायी। काब्य पाठ के दौरान व्यवस्थापक एड श्यामेन्द्र चौहान, ट्रस्टी मानवेन्द्र चौहान, मीडिया प्रभारी ठा वेदपाल सिह, सचिन सक्सैना, महेश कठेरिया एड, विष्णु पाल सिह, संजय राजपूत, राजकमल चौहान, गब्बर सिह, धीरेन्द्र सिह, नितिन सिह, राहूल सिंह, रोहित वंशीधर, मनोज सिंह, ईशू चौहान, आकाश तथा सैकडो सेवादार एवम श्याम भक्त मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक के जरिए महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा व सशक्तिकरण का संदेश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति अभियान तहत जनपद सम्भल में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी दीपक कुमार के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक महिला थाना और पुलिस टीम ने कल्कि महोत्सव के मंच पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मरक्षा और अपराध के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित करना था। पुलिस टीम ने मिशन शक्ति

अभियान के लक्ष्यों को विस्तार से बताया, जिसमें महिलाओं और बालिकाओं के लिए सुरक्षित और सशक्त माहौल तैयार करना शामिल है। उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं को आत्मरक्षा की तकनीकों, शारीरिक-मानसिक सतर्कता और आपात स्थिति में त्वरित निर्णय लेने की रणनीतियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं को किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या हिंसा के खिलाफ निडर होकर आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्हें बताया गया कि डर या संकोच के कारण चुप रहने से समस्याएं बढ़ सकती हैं, इसलिए कानूनी सहायता लेने में संकोच न करें। साथ ही, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वूमेन पावर लाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 और चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ने अपने उद्बोधन में नवरात्रि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "नवरात्रि महिलाओं के लिए एक प्रेरणादायक पर्व है। यह हमें शक्ति और साहस का संदेश देता है। मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य न केवल महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित रखना है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना भी है।" उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे न केवल स्वयं जागरूक हों, बल्कि अपने आसपास की महिलाओं को भी जागरूक करें और उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाएं। यह कार्यक्रम मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की और इसे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाला कदम बताया।

भाजपा ने किया स्वदेशी मेले का आयोजन

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- उ.प्र इंटर नेशनल ट्रेड शो दिनांक 25 सितंबर से 29 सितंबर तक नोएडा में सफलता पूर्वक संपन्न किया गया। इस ट्रेड शो की सफलता से प्रभावित होकर उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशन पर दिनांक 09 अक्टूबरसे 18 अक्टूबर तक सभी जनपदों में स्वदेशी मेले का आयोजन किया जाना है। इसी क्रम में जनपद संभल के चन्दौसी नगर के कंपनी बाग में पूर्व सांसद एवं वर्तमान एमएलसी सतपाल सिंह सैनी द्वारा स्वदेशी मेले का उद्घाटन किया गया। उनके द्वारा स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया गया, जिससे आत्मनिर्भरता प्राप्त की जा सके । इस मेले में हैंडीक्राफ्ट टोकरी, खादी भंडार, मूर्तिकार, शहद उत्पादन, शुद्ध सरसों का तेल, शुद्ध सेंधा नमक, मखाने, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, धूपबत्ती, अचार, इत्यादि की स्टाल लगाई गई। इस उद्घाटन समारोह में उपयुक्त उद्योग एवं उद्योग विभाग के सभी कर्मचारी और

भारतीय जनता पार्टी के सम्भल जिले के जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह ने मेले में अधिक से अधिक लोगो के आने का आह्वान किया जिससे देश मे निर्मित वस्तुओं के बारे में लोगो को पता चले और उनकी बिक्री में बढ़ोतरी आये जिससे देश और राज्य संपन्न हो और विश्व मे अपनी पहचान बनाये। कार्यक्रम का संचालन जिलामहामंत्री अर्जुन वाल्मीकि ने किया और नगर अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल ने मेले में आये सभी लोगो का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान कमल कुमार कमल, मनोज कठेरिया, सुधीर मल्होत्रा, अंकित जैन, डॉ टी एस पाल, तरुण कुमार नीरज, अभिनव शर्मा, देवेंद्र गुप्ता ,आकाश आहूजा, राजेश पाल ,आशा गोस्वामी, शीला सागर, ज्ञान प्रकाश शर्मा, मोक्षिका शर्मा ,जयशंकर दुबे, आलोक शाक्य, सावन शर्मा, शुभम अग्रवाल ,ऋतिक सिंह, सनी चौधरी ,गिर्राज मौर्य, हरवेश राघव ,उमेश दिवाकर ,शिव शंकर दुबे और कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

समाजवादी पार्टी की बैठक संपन्न,काशीराम जी का परिनिर्माण दिवस श्रद्धांजलि के साथ मनाया

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी की एक बैठक बालाजी धाम, चंदौसी में आयोजित हुई। इस अवसर पर बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम जी का परिनिर्माण दिवस मनाया गया। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने कांशीराम जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शखधार ने किया। जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने अपने संबोधन में कहा कि कांशीराम जी पिछड़े, दलित एवं अल्पसंख्यकों के मसीहा थे। वे 21 वीं सदी के नायक थे, जिन्होंने बहुजन समाज की पीड़ा को समझते हुए राजनीति में उनकी साझेदारी सुनिश्चित की।

उन्होंने कमजोर वर्गों को ताकत प्रदान करने और उनकी लड़ाई लड़ने का महान कार्य किया। अंसारी ने आगे कहा कि श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव ने कांशीराम जी को लोकसभा भेजकर मजलूमों की आवाज बुलंद करने का अवसर प्रदान किया। पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमारी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हमें कांशीराम जी के बताए मार्ग पर चलना चाहिए और उनके आदर्शों को अमल में लाना चाहिए। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शखधार ने कांशीराम जी को नमन करते हुए कहा कि आज माननीय अखिलेश यादव की पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) नीति मजदूरों, किसानों, अल्पसंख्यकों एवं दलितों को मजबूत कर रही है। बैठक में जिला महासचिव कृष्ण कुमार मुरारी , पूरन लाल मौर्य, उमेश यादव, भावना सक्सेना, अमर सिंह यादव, कामरेड रेवाराम, मुन्ना लाल मौर्य, शोभित कुमार, काका मास्टर, आकिल साहब, ओम प्रकाश प्रजापति, एडवोकेट सुभाष वाल्मीकि, रत्नेश भारती, आसिफ इकबाल साहब, सलीम राईन, राजीव रस्तोगी, इंद्रजीत, सुनीता यादव, सीमा गुप्ता, विमलेश देवी, सजय मदान, रिकु चौहान, एसपी बिलाल, साबिर खान, अशोक राणा, राजवीर सिंह यादव, होराम सिंह जाटव, जितेंद्र जाटव, अशोक गुप्ता, कामरेड रेवा राम, अरुण जाटव, साजिद कुरेशी, आयुव खान, राकेश यादव, इलयास भाई, पप्पू जाटव, चंद्रभान सिंह, राजेश यादव, भुरे यादव, रफीक मियां एवं रफीक मई आदि उपस्थित रहे।

सम्भल कल्कि महोत्सव/ विकासोत्सव 2025 में चतुर्थ दिवस के प्रथम सत्र में दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ जन सम्मेलन सोशल सेक्टर कार्यक्रम का आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- बड़ा मैदान बहजोई में 6 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले सम्भल कल्कि महोत्सव/ विकासोत्सव 2025 में आज चतुर्थ दिवस के प्रथम सत्र में दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ जन सम्मेलन सोशल सेक्टर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य अतिथि सदस्य विधानपरिषद उत्तर प्रदेश सतपाल सैनी रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत जिलाधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि का जनपद संभल की सम्मान की नई परंपरा पंचोपचार के द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि सतपाल सैनी एवं जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया तथा मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट एवं अन्य अतिथि गणों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के अंतर्गत डीडीआरएस योजना के अंतर्गत एस जे हाई स्कूल संस्था आवासीय विद्यालय रतनपुर खुर्द एवं परिषदीय विद्यालय की बालिकाओं एवं दिव्यांगजन छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गयी।

भारतीय चरित्र निर्माण संस्थान नई दिल्ली से आए स्वामी कृष्णानंद झा ने कर्मयोगी विषय पर चर्चा की उन्होंने कहा कि कर्मयोगी बने। संभल एक धर्म की भूमि है यहाँ

भगवान कल्कि का अवतार होना है। उन्होंने बताया कि मिशन कर्मयोगी एक ऐसी योजना है जो आपको आपके परिवार से राज्य तक राज्य से देश तक और देश से विश्व तक जोड़ती है। उन्होंने कहा कि कर्म योगी के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है हमें निस्वार्थ भाव से कार्य करना चाहिए। हमें परमार्थ के लिए कार्य करना चाहिए तथा लोकहित कर्मयोगी का संकल्प होता है। उन्होंने जनपद संभल में मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों को लेकर भी चर्चा की । जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी माधवी पाण्डेय द्वारा दिव्यांगजनों से संबंधित विभागीय योजनाओं के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी द्वारा दिव्यांगजन विभाग के लिए अलग से बैठक की जाती है ताकि बैठक के अंतर्गत दिव्यांग जनों से संबंधित समस्याओं एवं कार्यों की अच्छे से समीक्षा की जा सके। विभाग द्वारा पीपीटी के द्वारा भी दिव्यांगजनों के लिए किया जा रहे कार्यों के विषय में बताया गया। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि सम्भल कल्कि महोत्सव/ विकासोत्सव वृहद स्तर पर किया जाता है इसमें काफी संख्या में लोग आते है तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं।उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन क्षेत्र के अंतर्गत संभल में बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। दिव्यांगजन पेंशन में जनपद संभल प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। जिलाधिकारी ने सम्भल संवाद एप के विषय में भी जानकारी प्रदान की और उन्होंने कहा कि अपने एंड्रॉयड मोबाइल फोन के माध्यम से सम्भल संवाद एप को डाउनलोड कर जनपद के निजी एवं सार्वजनिक संस्थाओं की जानकारी ,अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विवरण तथा सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा डिजिटल इंडिया का स्वप्न देखा है इसके अंतर्गत इंडिया डिजिटल तब होगा जब प्रशासन तक मोबाइल के माध्यम से आमजन की पहुंच होगी। यह एप इसी की दिशा में बढता कदम है।दिव्यांगजन सशक्तिकरण में यह एप महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा क्योंकि इसके माध्यम से जनपद एवं दिव्यांगजन विभाग से जुड़ी जानकारियां आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।मिशन शक्ति 5.0 अभियान पर भी चर्चा की तथा इसकी थीम नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन पर चर्चा की । उन्होंने कहा कि जनपद में उनके द्वारा अभिभावकों को पत्र लिखने की परम्परा शुरू की गयी है। विद्यालयों में पीटीएम एवं एसएमसी की बैठकों में इन पत्रों पर चर्चा की जाए तथा विद्यालय में होने वाली प्रार्थना सभा में भी इनका वाचन किया जाए जिलाधिकारी ने विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर भारत आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश शताब्दी@ 2047 के विजन डॉक्यूमेंट के लिए लोगों को अधिक से अधिक सुझाव देने के लिए भी कहा। मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य श्री सतपाल सैनी जी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिव्यांगों के लिए एक सम्मान जनक नाम दिव्यांगजन नाम दिया गया। उन्होंने कहा कि आज भारत प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश को विकसित उत्तर प्रदेश बनाने से पहले उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना होगा और इसमें हम सबको अपना योगदान देना होगा साथ ही हम सभी को भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर देश बनाने में भी अपना प्रमुख योगदान देना होगा । उन्होंने कहा कि विजन डॉक्यूमेंट के लिए आप अच्छे-अच्छे सुझाव दें ताकि अच्छी नीतियां बन सकें और उन्होंने कहा कि जो थोड़ी बहुत समस्याएं हैं उनको दूर करने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है और उन्होंने कहा की सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम किया जा रहे हैं और उनमें से सम्भल कल्कि महोत्सव भी एक है। मुख्य अतिथि ने कहा कि हमें अगर स्वास्थ्य एवं निरोगी रहना है तो श्री अन्न का उपयोग करें हम लोगों को स्वदेशी भोजन पर जाना होगा। हमें आत्मनिर्भर बनना पड़ेगा, ग्राम पंचायतों को भी आत्मनिर्भर बनाना पडेगा तथा निकायों को भी आत्मनिर्भर बनाना पड़ेगा तभी जनपद सम्भल भी आत्मनिर्भर होगा एवं विकसित जनपद बनेगा। कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य अतिथि एवं जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य अतिथि गणों द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सौजन्य से कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के अन्तर्गत दिव्यांगजनों को निशुल्क 56 ट्राईसाईकिल, 29 जोड़ी बैसाखी, 01 व्हीलर चेयर वितरित की गयीं। इसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा विभागों की योजनाओं से संबंधित लगायीं गयीं स्टालों का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह , जिला विकास अधिकारी राम आशीष,तथा भाजपा के जिला महामंत्री कमल कुमार कमल एवं जिला उपाध्यक्ष भाजपा विपिन गुप्ता,नगर अध्यक्ष बहजोई भाजपा ललित मोहन शर्मा,जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी माधवी पाण्डेय, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार, एवं संबंधित कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहे।

सीआईएसएफ कमांडेंट ने किया ओबरा रेणुका छठ घाट का निरीक्षण

संवाददाता
ओबरा, सोनभद्र। आगामी पर्वों और बड़े आयोजनों को ध्यान में रखते हुए बुधवार को ओबरा सेक्टर-3 स्थित रेणुका छठ घाट का सीआईएसएफ कमांडेंट सतीश कुमार सिंह ने निरीक्षण किया। रेणुका नदी के तट पर होने वाला यह कार्यक्रम परियोजना क्षेत्र का सबसे बड़ा और भव्य आयोजन माना जाता है, जिसके सुचारू और सुरक्षित संचालन के लिए विशेष तैयारियाँ की जा रही हैं।निरीक्षण के दौरान कमांडेंट सतीश कुमार सिंह ने घाट परिसर की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और फायर ब्रिगेड की तैयारियों का भी मूल्यांकन किया। उन्होंने निर्देश दिया कि पर्व के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम पूरी तरह से सतर्क और मौके पर मौजूद रहे।इस अवसर पर बाबा भूतेश्वर दरबार महारुद्र सेवा समिति के प्रमुख पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। कमांडेंट सिंह ने समिति के प्रबंधक राम आश्रय बिंद, अध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह और सचिव सुनील कुमार बिंद सहित अन्य सदस्यों के साथ विस्तार से चर्चा की।चर्चा के दौरान कमांडेंट सतीश कुमार सिंह ने रेणुका छठ घाट के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह स्थल सोनभद्र जिले में अपनी प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक गरिमा के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने समिति के पदाधिकारियों के साथ सुरक्षा घेरा, भीड़ प्रबंधन, श्रद्धालुओं की सुविधाएँ और आपात सेवाओं की रूपरेखा पर विस्तृत विचार-विमर्श किया, ताकि यह विशाल आयोजन पूरी तरह शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से सम्पन्न हो सके।सीआईएसएफ द्वारा किया गया यह निरीक्षण छठ महापर्व की तैयारियों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम कदम है।

25 नवंबर को अयोध्या में ध्वजारोहण करेंगे पीएम मोदी

अयोध्या। राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि राम मंदिर सिर्फ राष्ट्र मंदिर नहीं है बल्कि अंतरराष्ट्रीय राम मंदिर बने। यह बात सभी क्षेत्र, सभी वर्ग और सभी विचारधारा के लोग स्वीकार करें, ऐसा प्रधानमंत्री का सपना है और जब ये सपना साकार होता दिखाई पड़ता है तब मन को संतोष मिलता है। 25 नवंबर अयोध्या के लिए एक ऐतिहासिक दिन होगा। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या पहुंचकर राम मंदिर के शिखर पर 21 फीट का ध्वजारोहण करेंगे। यह दिन ऐतिहासिक इसलिए भी होगा कि इस दिन राम मंदिर निर्माण पूर्ण होने की घोषणा भी की जाएगी। राम मंदिर के ध्वजारोहण के साथ प्रधानमंत्री पूरे विश्व को राम मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने का संदेश देंगे। ध्वज का स्वरूप कैसा होगा, रंग कैसा और प्रतीक चिन्ह कौन सा होगा, इसके लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पांच अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर का भूमि पूजन किया था।

आरडीएच फाउंडेशन कर रहा गरीब परिवारों की मदद

हर दिन गांव गांव जाकर गरीब परिवारों में जरूरत के अनुसार सामान वितरित

हापुड (सब का सपना):- आरडीएच फाउंडेशन परिवार के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र से लेकर शहरी क्षेत्र तक गरीबी मिटाने का निर्णय लिया गया है। आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा हर दिन गरीब परिवारों के लिए आवश्यकता अनुसार सामान वितरित किया जाता है। जिसमें वाशिंग मशीन, फ्रिज, कूलर, एसी, सिलाई मशीन, घर का राशन, शिक्षा सामग्री, कपड़े, नगद राशि भी आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा गरीब परिवारों में दी जाती है। इतना ही नहीं आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा गरीब परिवारों को मकान बनाने के लिए भी आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा हर दिन गरीबी मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में आरडीएच फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा गुरुवार को कर गरीब परिवारों को घर बनाने के लिए पचास - पचास हजार रुपए से आर्थिक सहायता दी गई। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित सिंह उपराष्ट्रपति अध्यक्ष रोहित राजपूत राष्ट्रीय सलाहकार रतन सिंह, राष्ट्रीय सचिव मोहित चौहान,राष्ट्रीय निर्देशक बरन सिंह, राष्ट्रीय निर्देशक मांगे सिंह, राष्ट्रीय निर्देशक अशोक सिंह ,राष्ट्रीय निर्देशक कैलाश , दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार, दिल्ली सलाहकार कुलदीप सिंह , दिल्ली महिला प्रदेश अध्यक्ष जौली चौहान,उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राकेश चौहान उप उतर प्रदेश अध्यक्ष मोनू चौहान पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रोहित सिंह, पश्चिम उप उत्तर प्रदेश अध्यक्ष हीर प्रकाश गुप्ता मेरठ महिला अध्यक्ष अनीता केवट, मेरठ जिला अध्यक्ष सविता प्रजापति, हापुड़ जिला अध्यक्ष सतपाल सिंह, उतर प्रदेश महिला अध्यक्ष रीना राजपूत अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष राजपाल सिंह उप अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष मनीष राजपूत ग्राम अध्यक्ष छोटी अंजली राजपूत ग्राम अध्यक्ष अंजली राजपूत ग्राम अध्यक्ष सायपुर सरिता देवी, हापुड़ महिला अध्यक्ष बिजेंद्री देवी बागपत जिला अध्यक्ष सुंदरी शर्मा, गजरौला अध्यक्ष विकास चौहान, हसनपुर अध्यक्ष नरेश सिंह, समलल अध्यक्ष दिनेश सिंह,उप हापुड़ जिला अध्यक्ष हरि शरण प्रजापति, मध्य प्रदेश अध्यक्ष निशु चौहान, गोरखपुर मंडल अध्यक्ष बृजलाल कीर्ति माला , उप मध्य प्रदेश मुकेश वर्मा, गाजियाबाद जिला अध्यक्ष प्रेम चंद सिंह, बुलन्दशहर महिला जिला अध्यक्ष हेमलता,उप बुलन्दशहर महिला अध्यक्ष अध्यक्ष पूनम चौहान, बागपत उपजिला अध्यक्ष रिंकी शर्मा, बागपत जिला अध्यक्ष राजीव शर्मा, ब्रजघाट अध्यक्ष नरेश कुमार, ग्राम सिलपुर अध्यक्ष प्रीती चौहान, तालिश अध्यक्ष अमित चौहान,

लोनी ताशील अध्यक्ष अनिल कुमार, बाबूगढ़ महिला अध्यक्ष गुड़िया सिंह, बाबूगढ़ अध्यक्ष हरीश कुमार , मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष जाकिर खान, मुरादाबाद जिला अध्यक्ष संदीप चौहान अमरोहा जिला अध्यक्ष आकाश चौहान रामपुर जिला अध्यक्ष आलोक चौहान महाराष्ट्र महिला अध्यक्ष पूजा चौहान गुलाबटी अध्यक्ष फरीन, गीता सैनी मौजूद रहे।

प्रावि दोमाठ सेवरही में नालेज शेयरिंग कार्यक्रम व टीएलएएल मेला आयोजित

संवाददाता
कुशीनगर। सेवरही विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय दोमाठ में खण्ड शिक्षा अधिकारी अमितेश कुमार की अध्यक्षता में नालेज शेयरिंग कार्यक्रम एवं टीएलएम मेला का आयोजन किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी अमितेश कुमार ने कहा कि शिक्षकों द्वारा बनाए गए इन टीएलएम से बच्चो को जल्दी सीखने में मदद मिलती है। बच्चो का ध्यान विषय की ओर सहजता से आकृष्ट होता है। अनुश्रवण डायट प्रवक्ता आश्वनी कुमार सिंह, अर्चना एवं जितेन्द्र कुमार गोंड एआरपी सेवरही, राजेश तिवारी द्वारा किया गया। इनके द्वारा उत्कृष्ट टीएलएम को जनपद स्तरीय प्रदर्शनी हेतु चयनित किया गया। कार्यक्रम में अरविन्द सिंह पटेल निवर्तमान जिलाध्यक्ष शिक्षक संघ, धर्मेन्द्र सिंह ब्लाक अध्यक्ष, मधेश मिश्र अध्यक्ष जूनियर शिक्षक संघ, सुमंत मिश्व मंत्री, एजुलहक मंत्री, कृष्ण कुमार, पंकज कुमार गोंड, ढोढ़ा प्रसाद, संजय सिंह, संजय यादव, विनोद कुमार जिलामंत्री अटेवा, नगीना यादव, शशिकान्त, राजेश राय, उमा राय, मनोज कुमार, मृत्युंजय पाण्डेय उपस्थित रहे।

अवध शुगर एंड एनर्जी लि. द्वारा आयोजित शिविर में 200 किसानों की हुई चांच

संवाददाता
कुशीनगर। हाटा क्षेत्र स्थित अवध शुगर एण्ड एनर्जी लिमिटेड, यूनिटझन्यू इंडिया शुगर मिल्स, ढाढ़ा के सौजन्य से डुमरी मलांव में आयोजित शिविर में 200 किसानों और उनके परिजनों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कर सलाह और दवा वितरित की गई। गुरुवार को आयोजित स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन चीनी मिल के अधिशासी अध्यक्ष आर. के. गुप्ता ने फीता काटकर किया कहा कि चीनी मिल ग्रामीण अंचलों के समग्र विकास के लिए सदैव तत्पर है। हमारा उद्देश्य किसानों व ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें स्वस्थ जीवन की दिशा में प्रेरित करना है। विशेषज्ञ चिकित्सक डा० सुरभी श्रीवास्तव, चीनी मिल के चिकित्सक डा० नवनीत त्यागी द्वारा रक्तचाप, शुगर, बुखार, त्वचा रोग, सर्दी-खांसी आदि रोगों की जांच की। इस अवसर पर ग्राम प्रधान संजू यादव समेत अनेक अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।।मिल प्रबंधन द्वारा 2025 को ग्राम तितिला में भी निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने चीनी मिल प्रबंधन के इस सामाजिक एवं मानवता से जुड़े प्रयास की सराहना की।

खेल से बौद्धिक और शारीरिक क्षमता का विकास होता है: अखिलेश कुमार सिंह

संवाददाता
कुशीनगर। हाटा ब्लाक के नागरिक लघु मां विद्यालय नैकाछपरा के खेल प्रांगण में सांसद खेल महोत्सव, बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें उच्च प्राथमिक नरकटिया विद्यालय के बालक और बालिका वर्ग में कबड्डी प्रतियोगिता में दबदबा रहा। प्रावि नैकाछपरा के छात्रों का दौड़ में अच्छा प्रदर्शन किया। बीईओ हाटा अखिलेश कुमार सिंह द्वारा परिचय से शुरू हुआ। उन्होंने खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि खेल कूद से छात्रों में बौद्धिक और शारीरिक क्षमता का विकास होता है। कार्यक्रम के आयोजक रमेश दुबे ने आभार ज्ञापित किया। निर्णायक की भूमिका में उपेंद्र कुमार और राकेश पासवान अनुदेशक रहे। प्राथमिक स्तर के बालक वर्ग के 50 मीटर दौड़ में हसनैन प्रथम, अनोल द्वितीय, किशन कुमार तृतीय, जूनियर स्तर के 100 मीटर दौड़ में बालक वर्ग से रहमान प्रथम, विनीत सिंह द्वितीय,और अमित शर्मा तृतीय रहे तो बालिका वर्ग जूनियर में मुस्कान प्रथम, लाडली द्वितीय, कृतिका तृतीय स्थान पर रही। जूनियर विद्यालय नरकटिया के बालक और बालिका वर्ग प्रथम रहे तो जूनियर विद्यालय भरवलिया के द्वितीय स्थान पर और जूनियर वर्ग के खो खो प्रतियोगिता में नरकटिया प्रथम और भरवलिया के छात्र द्वितीय स्थान पर रहे। इस दौरान राम दिनेश सिंह, रामप्रवेश यादव,दिवाकर ओझा, कृष्ण मोहन मिश्र, शालिनी सिंह, योगेन्द्र सिंह, मदन यादव, विजय बहादुर यादव, बृजकिशोर सिंह, प्रिया यादव, सुमन सिंह, ऋचा राय, जयंत सिंह, धर्मेंद्र सिंह, राकेश पासवान, शत्रुघ्न दुबे, रत्नेश तिवारी, बृजकिशोर सिंह, राजन तिवारी उपस्थित रहे।

वेंक्टेश्वरा यूनिवर्सिटी में "विश्व दृष्टि दिवस पर नेत्रदान जागरूकता अभियान एवं वर्ष की थीम लव योअर आईज विषय पर सेमीनार का शानदार आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- श्री वैंक्टैश्वरा संस्थान के मेडिकल के छात्र-छात्राओ एवं चिकित्सको ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नेत्रदान के बारे में उपस्थित लोगो को जागरूक करते हुए बताया कि स्वैच्छिक नेत्रदान से हम विश्व विश्व में लगभग तीन करोड़ से अधिक नेत्रहीन लोगो के जीवन में उजाला कर सकते है। बता दें कि बृहस्पतिवार को विश्व दृष्टि दिवस पर राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा संस्थान के अधीन वेंक्टेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईसेस (विम्स) मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पीटल में नेत्रदान जागरूकता अभियान-2025 एवं लव योअर आईज विषय पर एकदिवसीय सेमीनार का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभाग करते हुए देश के एक दर्जन से अधिक नेत्र विशेषज्ञो ने उपस्थित लोगो को आँखो के महत्व को समझाते हुए लोगो को आँखो की उचित देखभाल, कोई भी परेशानी होने पर त्वरित विशेषज्ञो द्वारा प्रभावी चिकित्सा एवं मरणोपरांत नेत्रदान के लिए प्रेरित किया। सभी ने एक सुर में आँखो को ईश्वर का दिया सबसे अनमोल उपहार बताते हुए अपनी आँखो द्वारा दूसरो के जीवन में भी रोशनी एवं खुशियाँ भरने का आवह्रान किया। इसके साथ ही संस्थान के छात्र-छात्राओ ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों को नेत्रदान के लिए जागरूक किया। इस अवसर पर 34 लागो ने स्वैच्छिक नेत्रदान के लिए फॉर्म भरकर पंजीकरण भी कराया। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान के हॉस्पीटल ब्लॉक में विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर आयोजित नेत्रदान जागरूकता अभियान-2025 एवं लव योअर आईज विषय पर सेमीनार का शुभारम्भ प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, कुलपति प्रो0 कृष्ण कान्त दवे, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डॉ0 सुरेश मेहता, नेत्र रोग विभाग के एच0ओ0डी0 डॉ0 किशोर गावेकर, कर्नल डॉ0 सुमित सिंह, डॉ0 अभय भटनागर आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया।इस अवसर पर डॉ0 सुमित सिंह, डॉ0 बी0एस0 त्यागी, डॉ0 अभय भटनागर, डॉ0 सुप्रीति भटनागर, डॉ0 अनुराग मिश्रा, डॉ0 शुभा मकसूद, डॉ0 विनीत सिंह, डॉ0 प्रदीप, डॉ0 संगम, डॉ0 अनुकृति, डॉ0 रूबी, डॉ0 तरन्नुम, डॉ0 आलोक, डॉ0 अदिति, मेरठ परिसर से डॉ0 प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बलूच विद्रोहियों ने फिर बनाया जाफर एक्सप्रेस को निशाना, विस्फोट के बाद कई डिब्बे पटरी से उतरे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में बलूच विद्रोहियों ने एक बार फिर जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया है। बलूचिस्तान रिपब्लिकन गार्ड्स ने मंगलवार को दावा किया कि उन्होंने जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया और आईईडी विस्फोट कर ट्रेन के कई डिब्बों को पटरी से उतार दिया। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला सुल्तान कोट इलाके में किया गया, जो शिकारपुर और जैकबाबाद इलाके के बीच में स्थित है। क्रक्ष ने ऐलान किया है कि बलूचिस्तान की आजादी तक ऐसे हमले जारी रहेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिमोट कंट्रोल से नियंत्रित आईईडी विस्फोट किया गया। विस्फोट इतना ताकतवर था कि उसके असर से ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन के पटरी से उतरने से चार यात्री घायल हुए हैं। वहीं बलूच विद्रोहियों का दावा है कि हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक यात्रा कर रहे थे और उन्हें निशाना बनाकर हमला किया गया था। इस हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं और कई अन्य घायल हैं। बलूच विद्रोहियों ने दावा किया कि हमले में ट्रेन के छह डिब्बे पटरी से उतर गए। पाकिस्तान की ट्रेन जाफर एक्सप्रेस को बलूच विद्रोही पहले भी कई बार निशाना बना चुके हैं। दरअसल इस ट्रेन से अक्सर पाकिस्तानी सैनिक पाकिस्तानी पंजाब से बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा आते-जाते हैं। यही वजह है कि बलूच विद्रोही संगठनों के निशाने पर अक्सर ये ट्रेन रहती है। इस साल मार्च में जाफर एक्सप्रेस को बलूच विद्रोहियों ने हाइजैक कर लिया था, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई, मरने वालों में कई पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे। सुरक्षा बलों ने एक अभियान चलाकर ट्रेन पर हमला करने वाले 33 आतंकवादियों को मार गिराया और 354 बंधकों को बचाया गया। दो हफ्ते पहले भी बलूचिस्तान के मस्तुंग के दश्त इलाके में रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट में जाफर एक्सप्रेस का एक कोच नष्ट हो गया और छह अन्य पटरी से उतर गए, जिसमें 12 यात्री घायल हो गए थे। साल 2023 में भी जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया गया था। इसी तरह साल 2016 में भी बलूच विद्रोहियों ने जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया था। उस हमले में छह लोगों की मौत हो गई थी और 19 लोग घायल हो गए थे।

सत्ता परिवर्तन के बाद एक्शन जारी, केपी ओली और पूर्व गृह मंत्री की मुश्किल बढ़ी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में युवाओं के भारी आक्रोश बाद सत्ता छोड़ने को मजबूर हुए पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। उनके खिलाफ एक के बाद कई मामले दर्ज किए जा चुके हैं। ऐसे में अब मंगलवार (07 अक्टूबर) को अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृह मंत्री रमेश लेखक के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। साथ ही जेन-जेड प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों के लिए उनकी आपराधिक जवाबदेही की मांग की है। पिछले महीने नेपाल में ओली सरकार के विरोध के दौरान जनरेशन-जेड प्रोटेस्ट किया था। इस प्रदर्शन में कई लोगों की जान गई थी। ऐसे में अब काठमांडू जिला पुलिस मंडल प्रवक्ता, पुलिस अधीक्षक पवन भट्टराई ने पुष्टि करते हुए बताया है कि यूएमएल अध्यक्ष ओली और नेपाली कांग्रेस नेता लेखक के खिलाफ काठमांडू जिला पुलिस कार्यालय, भद्रकाली में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि क्योंकि मामले की जांच के लिए एक जांच आयोग का गठन पहले ही किया जा चुका है, इसलिए पुलिस ने एफआईआर को न्यायमूर्ति गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाले उच्च-स्तरीय न्यायिक जांच आयोग को भेज दिया है। वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश त्रिपाठी ने कहा, जनरेशन-जेड के युवाओं की ओर से पुलिस में दर्ज कराई गई प्राथमिकी उनकी (ओली और लेखक की) आपराधिक जवाबदेही स्थापित करेगी और 8 व 9 सितंबर को हुए अपराध की जांच का मार्ग प्रशस्त करेगी।

बर्फीले तूफान में माउंट एवरेस्ट पर फंसे सैकड़ों पर्वतारोहियों को बचाया गया

बीजिंग , एजेंसी। माउंट एवरेस्ट के चीनी हिस्से में बीते दिनों आए एक बर्फीले तूफान में फंसे लगभग 900 पर्वतारोहियों, गाइड और अन्य कर्मचारियों को सुरक्षित बचा लिया गया है। चीन के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। शनिवार रात इस क्षेत्र में एक भयंकर तूफान आया, जिससे माउंट एवरेस्ट पर करीब 4,900 मीटर की ऊंचाई पर तंबुओं में ठहरे पर्वतारोही फंस गए। तूफान के चलते कुल मिलाकर, 580 पैदल यात्री और 300 से ज्यादा गाइड, याक चरवाहे और अन्य कर्मचारी फंसे हुए थे। स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया गया कि लगभग 350 पर्वतारोहियों को सोमवार दोपहर और बाकी को मंगलवार तक सुरक्षित बचा लिया गया। कुछ लोग को कथित तौर पर हाइपोथर्मिया की परेशानी हुई है। हालात को देखते हुए माउंट एवरेस्ट पर फिलहाल पर्यटन को बंद कर दिया गया है।

मुनीर को सीधी चुनौती? भारत में शांति का पैगाम लेकर आना चाहते हैं पाक के मौलाना फजलुर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की प्रमुख धार्मिक व राजनीतिक पार्टी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (एफ) के सरगना मौलाना फजलुर रहमान ने भारत की यात्रा पर आने की इच्छा जता रहे हैं। उनका उद्देश्य भारत को शांति का पैगाम पहुंचाना है। यह खुलासा पार्टी के करीबी सहयोगी और सांसद कमरान मुरतजा ने पाकिस्तानी चैनल आज न्यूज को दिए एक इंटव्यू में किया। पाकिस्तानी सांसद कमरान मुरतजा ने बताया कि मौलाना फजलुर रहमान ने हाल ही में एक भारतीय राजनयिक को व्यक्तिगत रूप से शांति का संदेश सौंपा था। उन्होंने कहा, मौलाना साहब भारत जाना चाहते हैं ताकि दोनों देशों के बीच शांति की अपील की जा सके। यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का एक कदम होगी। मुरतजा ने यह भी कहा कि मौलाना रहमान ने 2002 और 2003 में भी भारत का दौरा किया था, जब दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण थे। उस समय उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से मुलाकात की थी और शांति प्रक्रिया का समर्थन किया था। बता दें कि मौलाना फजलुर रहमान प्रमुख इस्लामी विद्वान और पाकिस्तान की संसद में विपक्ष के पूर्व नेता हैं। आंतरिक दरारों के बीच नई पहल न्यूज18 ने शीर्ष खुफिया सूत्रों के हवाले से लिखा है कि यह कदम ऐसे समय में उठाया गया जब पाकिस्तान की राजनीतिक और सैन्य व्यवस्था में

आंतरिक दरारें गहराती जा रही हैं- खासकर पंजाबी और पश्तून वर्गों के बीच तनाव बढ़ रहा है। सूत्रों ने बताया कि मौलाना का यह शांति संदेश खुद को एक क्षेत्रीय शांति दूत के रूप में पेश करने की कोशिश है, वो भी ऐसे समय में जब भारत-पाक रिश्ते बेहद तनावपूर्ण हैं।

पश्तून असंतोष की आवाज : डेरा इस्माइल खान के रहने वाले मौलाना फजलुर रहमान पश्तून समुदाय से आते हैं और उन्होंने हाल के महीनों में खुद को पश्तून असंतोष की राजनीतिक आवाज के रूप में पेश किया है। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यह घटनाक्रम पाकिस्तान के भीतर बढ़ती जातीय असंतुष्टि से गहराई से जुड़ा है। कई पश्तून मूल के राजनेता और सेना अधिकारी जनरल असीम मुनीर के नेतृत्व में खुद को हाशिये पर धकेले जाने से असंतुष्ट बताए जा रहे हैं।

सेना में बढ़ता मतभेद : पाकिस्तान की सत्ता संरचना में एक शांत लेकिन गहरी दरार उभर रही है। पंजाबी प्रभुत्व वाले सेना नेतृत्व और उपेक्षित पश्तून गुटों के बीच मतभेद बढ़ रहे हैं। पाकिस्तान आर्मी और आईएसआई के कुछ मध्य-स्तरीय व सेवानिवृत्त पश्तून अधिकारी मौलाना के अमन नैरेटिव का समर्थन दे रहे हैं। वे इसे जनरल मुनीर के बढ़ते प्रभाव के संतुलन के रूप में देखते हैं। मौलाना की भारत यात्रा की इच्छा कई उद्देश्यों को साधने की कोशिश हो सकती है। एक ओर यह नई दिल्ली की प्रतिक्रिया परखने का माध्यम हो सकती है, तो दूसरी ओर यह इस्लामाबाद में मौजूदा सत्ता समीकरणों को चुनौती देने का प्रतीक भी होगी। मौलाना की पहल को सेना की कठोर नीति के विपरीत जनकेंद्रित और नरम दृष्टिकोण के रूप में देखा जा रहा है। सीनेटर कमरान मुर्तजा ने बताया कि मौलाना पहले भी भारत आ चुके हैं- 2002 और 2003 में, जब दोनों देशों के बीच रिश्ते तनावपूर्ण थे। उन दौरों के दौरान उन्होंने बाल ठाकरे समेत एनडीए सरकार के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी, और संवाद की दिशा में पहल की थी। खुफिया सूत्रों ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान से जुड़े कई अधिकारी भारत के प्रति बढ़ते आक्रामक रुख का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि बढ़ती दुश्मनी सीमा इलाकों में अस्थिरता और गरीबी को और गहरा कर रही है।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति पर जानलेवा हमला, काफिले पर चलाई गईं गोलियां; बाल-बाल बचे

क्वीटो, एजेंसी। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ पर जानलेवा हमला हुआ है। दरअसल करीब 500 प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति नोबोआ के काफिले पर हमला किया और पत्थर मारे। गनीमत रही कि इस हमले में राष्ट्रपति नोबोआ को चोट नहीं पहुंची और वे सुरक्षित हैं। इक्वाडोर सरकार के मंत्री इनेस मानजानो ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि राष्ट्रपति पर हमले की रिपोर्ट दर्ज की गई है। जानलेवा हमले की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि कार पर गोलियां चलने का पता चला है। फिलहाल पुलिस ने पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है। राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से बताया गया है कि सभी आरोपियों के खिलाफ आतंकवाद और जान लेने की साजिश रचने के आरोप लगेंगे। राष्ट्रपति नोबोआ पर हमला राष्ट्रीय मूल नागरिक संघ के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुआ। यह संघ बीते दो हफ्ते से विरोध प्रदर्शन कर रहा है। प्रदर्शनकारी सरकार के उस फैसले का विरोध कर रहे हैं, जिसमें डीजल सब्सिडी को सरकार ने घटाकर कम कर दिया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार के इस फैसले से छोटे किसान और मूल नागरिक समाज के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। संघ के एक विरोध प्रदर्शन के दौरान ही राष्ट्रपति नोबोआ के काफिले पर हमला हुआ।

चीन के 20 जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने की योजना बना रहा बांग्लादेश, 2.2 अरब डॉलर का करेगा सौदा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने 2.2 अरब डॉलर के सौदे में 20 चीनी जे-10सीई लड़ाकू विमानों को खरीदने की योजना बनाई है। यह सौदा प्रशिक्षण, रखरखाव और अन्य संबंधित खर्चों को भी कवर करेगा। एक मीडिया रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में सरकारी दस्तावेजों के हवाले से कहा गया, बांग्लादेश 2026 और 2027 के दौरान इन लड़ाकू विमानों को प्राप्त करेगा, ताकि वायुसेना को आधुनिक बनाया जा सके और देश की वायु रक्षा को मजबूत किया जा सके। हालांकि, इस सौदे की अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि भुगतान दस वित्तीय वर्षों में (यानी 2036 तक) किया जाएगा। जब रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो वित्त सलाहकार सालेहुद्दीन अहमद ने कहा, मैं इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। उन्होंने कहा, क्या सिर्फ इसलिए कि मुझे कुछ पता है, मुझे सब कुछ बताना जरूरी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जे-10सीई चीन के जे-10सी का निर्यात संस्करण है, जो पहले ही चीनी वायुसेना में सेवा में है। पाकिस्तान ने मई में भारत के साथ चार दिन के सैन्य संघर्ष के दौरान चीनी जे-10सी विमानों का उपयोग किया था। रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य

सलाहकार मोहम्मद यूनुस के कार्यालय ने प्रत्येक विमान की कीमत 60 मिलियन डॉलर और पूरे बेड़े की कीमत 1.2 अरब डॉलर आंकी है, जबकि प्रशिक्षण, उपकरण और ढुलाई पर 820 मिलियन डॉलर खर्च होंगे। बीमा, वैट, एजेंसी कमीशन, नागरिक कार्यों और अन्य खर्चों को जोड़ने पर कुल लागत 2.20 अरब डॉलर हो जाती है। मार्च में अंतरिम सरकार के प्रमुख के कार्यालय ने कहा था कि यूनुस ने चीन की अपनी यात्रा के दौरान लड़ाकू विमानों की खरीद पर चर्चा की थी, जिस पर चीन ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। रक्षा विश्लेषक मेजर जनरल एएनएम मुनिरुज्जमान ने कहा कि वायुसेना लंबे समय से नए लड़ाकू विमानों को खरीदने की योजना बना रही है। लेकिन यह मामला अभी मूल्यांकन के चरण में है। उन्होंने कहा, आज दुनिया में एक नया भू-राजनीतिक विभाजन है, इसलिए किसी भी देश से विमान खरीदने से पहले भू-राजनीतिक प्रभाव का विश्लेषण करना जरूरी है।

बांग्लादेश में हिल्सा मछली को बचाने जंगी जहाज तैनात : हेलिकॉप्टर से निगरानी भी हो रही

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिल्सा मछली को अवैध रूप से पकड़ने से बचाने के लिए सेना की तैनाती की गई है। न्यूज एजेंसी स्क्क्क की रिपोर्ट के मुताबिक इसके लिए 17 वॉर शिप और गश्ती हेलिकॉप्टर तैनात किए गए हैं। ये जहाज और गश्ती विमान घरेलू और विदेशी मछुआरों को गहरे समुद्र में घुसपैठ से रोकने के लिए 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं। बांग्लादेशी अधिकारियों ने कहा है कि 4 से 25 अक्टूबर तक हिल्सा मछली के प्रजनन वाले इलाके में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

2200 रुपए प्रति किलो पर बिकती हिल्सा मछली : हिल्सा को बांग्लादेश में इलिश मछली भी कहा जाता है। यह बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली है और इसे वहां पर 'मां' का दर्जा दिया गया है। हिल्सा प्रजनन के लिए हर साल अंडे देने के लिए समुद्र (गर्म पानी) से नदियों (ठंडे पानी) की ओर लौटती है। हिल्सा मछली पर लाखों लोग निर्भर हैं। ढाका में फिलहाल इसकी कीमत 2800 से 3000 टका (2050 से 2200 रुपए) प्रति किलोग्राम है। भारत के पश्चिम बंगाल में भी यह मछली बहुत पसंद की जाती है और महंगी कीमत पर बिकती है। भारतीय मछुआरे गंगा नदी और उसके डेल्टा के खारे पानी में मछली पकड़ते हैं, जिससे कोलकाता और पश्चिम बंगाल की जरूरतें पूरी होती हैं। लेकिन ज्यादा मछली पकड़ने से हिल्सा के प्रजनन के समय मछली का स्टॉक कम हो सकता है।

एक्सपर्ट बोले- हिल्सा को प्रजनन के लिए शांत पानी की जरूरत : पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन और समुद्र के जलस्तर का बढ़ना हिल्सा मछली के स्टॉक पर असर डाल रहा है। इसके साथ ही यह डर भी है कि नौसेना के जहाज हिल्सा के प्रजनन के दौरान शांत पानी में बाधा डाल सकते हैं। वर्ल्ड फिश की परियोजना के पूर्व प्रमुख मोहम्मद अब्दुल वहाब ने कहा कि हिल्सा को प्रजनन के लिए शांत और निर्बाध पानी चाहिए और इसके लिए ड्रोन का इस्तेमाल बेहतर होगा। बांग्लादेश सरकार ने प्रजनन अवधि में मछुआरों की मदद के लिए हर मछुआरे परिवार को 25 किलोग्राम चावल दिया है, लेकिन कुछ लोगों का कहना है कि यह पर्याप्त नहीं है।

कैलिफोर्निया में दिवाली बनी सरकारी छुट्टी, गवर्नर गेविन न्यूसम ने रचा इतिहास

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में अब दिवाली आधिकारिक तौर पर राज्य की छुट्टियों की सूची में शामिल हो गई है। मंगलवार को कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने असेंबली बिल 268 पर हस्ताक्षर कर इसे कानून का रूप दे दिया। इस कानून के तहत अब कैलिफोर्निया के सरकारी कर्मचारी, कम्युनिटी कॉलेज, और सरकारी स्कूल दिवाली पर छुट्टी ले सकेंगे। इसके साथ ही, स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को दिवाली के अर्थ और महत्व पर कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति भी दी गई है।

क्या है बिल एबी 268 : इस बिल में कहा गया है कि राज्य के कर्मचारी दिवाली के दिन वेतन सहित अवकाश ले सकते हैं। स्कूल और कॉलेज दिवाली के दिन बंद रह सकते हैं। शैक्षणिक संस्थान दिवाली के सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं। भारतीय समुदाय में खुशी की लहर इस

फैसले से कैलिफोर्निया में रह रहे करीब 10 लाख दक्षिण एशियाई मूल के लोगों, खासतौर पर भारतीय और भारतीय-अमेरिकी समुदाय में, खुशी की लहर दौड़ गई है। अजय भूटोरिया, जो पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के पूर्व सलाहकार रहे हैं और सिलिकॉन वैली के प्रसिद्ध उद्यमी और समाजसेवी हैं, ने इस फैसले की सराहना की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, धन्यवाद गवर्नर गेविन न्यूसम, जिन्होंने दिवाली को कैलिफोर्निया की राज्य छुट्टी बनाया। असेंबली मेंबर आश कालरा और दर्शन पटेल का भी आभार जिन्होंने इस बिल को मंजिल तक पहुंचाया, यह रोशनी, एकता और विविधता का उत्सव है।

नवाचार - संस्कृति को नई ऊंचाइयां : अजय भूटोरिया ने आगे कहा, आज कैलिफोर्निया की समावेशिता की यात्रा में एक उवल मील का पत्थर जुड़ा है। दिवाली आशा पर निराशा की, एकता पर विभाजन की, और ज्ञान पर अज्ञान की जीत का प्रतीक है, यह संदेश यहां रहने वाले हर दक्षिण एशियाई के दिल में गूंजता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह निर्णय सिर्फ एक अवकाश नहीं, बल्कि भारतीय प्रवासियों के योगदान और उनकी विरासत का सम्मान है। सिलिकॉन वैली के टेक विशेषज्ञों से लेकर दक्षिण कैलिफोर्निया के स्वास्थ्यकर्मियों तक, भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने राज्य की अर्थव्यवस्था, नवाचार और संस्कृति को नई ऊंचाइयां दी हैं।

शुभ दीपावली - प्रगति के दीप जलते रहें : उन्होंने कहा कि यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा, जैसे हम 20 अक्तूबर को दिवाली मनाने की तैयारी कर रहे हैं, यह कदम हमें गर्व, अपनापन और सामूहिक सौहार्द की नई रोशनी देगा।

बाइडन ने उपराष्ट्रपति रहते छिपाई थीं यूक्रेन में भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतें, सीआईए की फाइलों से हुआ खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी खुफिया एजेंसी के पुराने रिकॉर्ड से एक बड़ा खुलासा हुआ है। इन फाइलों के मुताबिक, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और उस समय के उपराष्ट्रपति जो बाइडन ने दिसंबर 2015 में यूक्रेन यात्रा के दौरान भ्रष्टाचार पर जो भाषण दिया था, उसके पीछे एक बड़ी कहानी छिपाई गई थी। यूक्रेन के अधिकारियों ने उस समय अमेरिकी रुख को दोहरा मापदंड बताया था, लेकिन यह नाराजगी अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट से हटा दी गई थी। यह जानकारी हाल ही में उजागर की गई सीआईए की फाइलों से सामने आई है। दिसंबर 2015 में जो बाइडन ने यूक्रेन की राजधानी कीव का दौरा किया था, वहां उन्होंने यूक्रेनी संसद में भाषण देकर कहा था कि भ्रष्टाचार कैंसर की तरह है और इसे जड़ से खत्म करना होगा। इस भाषण के बाद यूक्रेनी अधिकारी नाराज थे। उनका कहना था कि अमेरिका खुद भ्रष्टाचार पर दोहरी नीति अपना रहा है, क्योंकि उस समय बाइडन के बेटे हंटर बाइडन यूक्रेन की ऊर्जा कंपनी बुरिज्मा होल्डिंग्स में काम कर रहे थे और हर साल लगभग 1 मिलियन डॉलर का मेहनताना ले रहे थे। यूक्रेनी अधिकारियों ने निजी तौर पर कहा था कि जब अमेरिका ही इस तरह के पारिवारिक संबंधों को नजरअंदाज कर रहा है, तो उसे दूसरों को भ्रष्टाचार पर भाषण देने का कोई हक नहीं बनता। सीआईए की उजागर की गई फाइलों के अनुसार, यूक्रेन की इस नाराजगी की रिपोर्ट तैयार तो हुई थी, लेकिन इसे तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कॉलिन काह्ल के अनुरोध पर राष्ट्रपति के दैनिक खुफिया ब्रीफ (पीडीबी) में शामिल नहीं किया गया। सीआईए के एक अधिकारी की तरफ से 10 फरवरी 2016 को भेजे गए ईमेल में साफ लिखा गया- काह्ल चाहते हैं कि यह रिपोर्ट प्रसारित न की जाए। यह ईमेल उस समय राष्ट्रपति बराक ओबामा को रोजाना ब्रीफ देने वाले अधिकारी माइकल डेम्पसी ने भेजा था। डेम्पसी सीधे खुफिया प्रमुख जेम्स क्लैपर को रिपोर्ट करते थे। बता दें कि क्लैपर पर पहले से ही रूसगेट स्कैंडल में भूमिका को लेकर जांच के दायरे में हैं। राष्ट्रपति की दैनिक खुफिया रिपोर्ट में दुनिया भर की अहम राजनीतिक और सुरक्षा जानकारियां दी जाती हैं ताकि अमेरिकी राष्ट्रपति समय रहते किसी भी संकट से निपटने की तैयारी कर सकें। यूक्रेन की इस नाराजगी को रिपोर्ट से हटा देना यह दिखाता है कि अमेरिकी प्रशासन ने उस समय बाइडन परिवार से जुड़े विवाद को छुपाने की कोशिश की थी। इसके अलावा, इसी दौरान अमेरिकी मीडिया में भी हंटर बाइडन के यूक्रेन से जुड़े वित्तीय लेनदेन पर सवाल उठ रहे थे। यूक्रेनी अधिकारियों ने इस अमेरिकी मीडिया कवरेज को दोहरा रवैया कहा था। इन पुरानी फाइलों को हाल ही में सीआईए के आंतरिक समीक्षा अभियान के दौरान खोजा गया। यह जांच अभियान जॉन रैटक्लिफ के निर्देश पर हुआ, जो उस समय सीआईए निदेशक थे।

रूस की तरफ से जंग लड़ रहे भारतीय-छात्र का सरेंडर:यूक्रेन ने वीडियो जारी किया; जेल से बचने के लिए सेना में शामिल हुआ था

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी मीडिया ने मंगलवार को दावा किया कि उनकी सेना ने एक भारतीय युवक को पकड़ा है, जो रूस की तरफ से यूक्रेन में युद्ध लड़ रहा था। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि यूक्रेनी सेना द्वारा पकड़ा गया युवक 22 साल का मजोती साहिल मोहम्मद है, जो गुजरात के मोरबी का निवासी बताया जा रहा है। अभी भारत सरकार ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और फिलहाल यूक्रेनी दावे की पुष्टि के लिए जांच की जा रही है।

पढाई के लिए रूस गया था मजोती साहिल मोहम्मद : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कीव स्थित भारतीय दूतावास को भी अभी तक यूक्रेन की तरफ से कोई आधिकारिक संचार नहीं मिला है। यूक्रेनी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय युवक मजोती साहिल मोहम्मद पढ़ाई के लिए रूस गया था, लेकिन ड्रग्स संबंधी एक मामले में दोषी पाए जाने के बाद उसे रूस में सात साल जेल की सजा सुनाई गई थी। यूक्रेनी सेना की 63वीं मैकेनाइज्ड ब्रिगेड ने मजोती साहिल मोहम्मद की वीडियो रिकॉर्ड कर जारी की है, उसमें साहिल ने बताया कि उसे रूसी अधिकारियों की तरफ से एक ऑफर दिया गया, जिसमें कहा गया कि अगर वह एक कॉन्ट्रैक्ट साइन करके रूसी सेना में सेवाएं दे तो उसकी सजा माफ हो सकती है। साहिल रूसी सेना में शामिल हो गया, लेकिन जल्द ही उसने यूक्रेनी सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यूक्रेनी मीडिया के अनुसार, साहिल का कहना है कि वह लड़ाई नहीं लड़ना चाहता और उसे मदद चाहिए। उसने

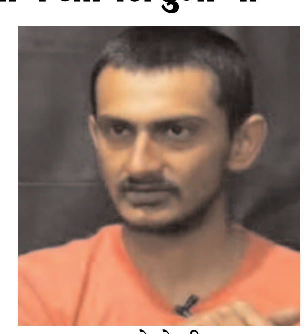

रूस वापस जाने से भी इनकार कर दिया। उसने कहा है कि या तो वह यूक्रेन में रहना चाहता है या फिर भारत वापस लौटना चाहता है। साहिल ने बताया कि उसे रूस की तरफ से सेना में सेवाएं देने के बदले 1200 से 18000 अमेरिकी डॉलर की सैलरी देने की बात भी कही गई थी, लेकिन उसे कभी कोई पैसा नहीं मिला।

माजोती ने कहा कि वह रूस वापस नहीं जाना चाहता। उसने यह भी बताया कि उसे सेना में शामिल होने का पैसा देने का वादा किया गया था, लेकिन उसे कुछ नहीं मिला। यूक्रेन ने कई विदेशी सैनिकों को रूस के लिए लड़ते पकड़ा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस ने भारत जैसे देशों के लोगों को नौकरी या पढ़ाई का लालच देकर सेना में भर्ती किया। भारत सरकार ने पिछले महीने रूस से मांग की थी कि वो अपनी सेना में भारतीयों को भर्ती बंद कर दे। साथ ही यह भी कहा था कि पहले से सेना में शामिल हुए भारतीय नागरिकों को भी छोड़ दिया जाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जनता को सलाह दी थी कि वे रूस की सेना में भर्ती होने के किसी भी प्रस्ताव पर ध्यान ना दें क्योंकि इसमें खतरा है।

ट्रंप के गुणगान करते नजर आए कनाडा के पीएम कार्नी, भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने का दिया श्रेय

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तारीफ करते हुए उन्हें भारत और पाकिस्तान समेत कई देशों के बीच शांति स्थापित करने का क्रेडिट दिया। व्हाइट हाउस में हुई बातचीत के दौरान कार्नी ने कहा, आप एक परिवर्तनकारी और खास राष्ट्रपति हैं। आपने अर्थव्यवस्था में बदलाव किया, नाटो देशों से रक्षा खर्च बढ़वाया और भारत-पाकिस्तान से लेकर अजरबैजान-आर्मेनिया तक शांति बहाल की। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी इस साल दूसरी बार अमेरिका दौरे पर पहुंचे हैं। पीएम कार्नी के साथ कनाडा के व्यापार मंत्री डोमिनिक ले ब्लैंक, विदेश मंत्री अनीता आनंद और उद्योग मंत्री मेलानी जोली भी अमेरिका पहुंची हैं।

ट्रम्प बोले- कनाडा-र का विलय हो सकता है : ओवल ऑफिस में कार्नी के साथ प्रेस से बात करते हुए ट्रम्प ने मजाक में कहा कि कनाडा और अमेरिका मर्ज हो सकते हैं। कार्नी ने इस मजाक को टाल दिया और कहा कि वह ट्रम्प की गाजा-इजराइल शांति योजना का समर्थन करते हैं और कनाडा इस में मदद करेगा। कार्नी ने ट्रम्प को शुक्रिया कहा और उन्हें स्पेशल राष्ट्रपति बताया। उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने ईरान को कमजोर किया।

भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने का 50 से ज्यादा बार दावा कर चुके : इससे पहले ट्रम्प ने सोमवार को एक भाषण में दावा किया कि उनके टैरिफ की ताकत ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोका। उन्होंने कहा था, अगर मेरे पास टैरिफ की ताकत नहीं होती, तो सात में से चार युद्ध चल रहे होते। भारत और पाकिस्तान में तनाव था, सात विमान मार गिराए गए थे। मेरी बात बहुत प्रभावी थी। ट्रम्प ने मई से अब तक करीब 50 बार दावा किया है कि उनकी मध्यस्थता से भारत-पाक में शांति हुई। हालांकि, भारत ने

तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की बात को खारिज किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों के बीच सीधी बातचीत से 10 मई को युद्धविराम हुआ।

ट्रम्प बोले- कार्नी ने मुझे काफी फेमस कर दिया : ट्रम्प ने कार्नी की तारीफ की और मजाक में कहा कि कनाडाई पीएम ने उन्हें काफी मशहूर कर दिया। उन्होंने कहा कि हम दोनों का रिश्ता शुरू से अच्छा है, लेकिन कुछ छोटी-मोटी असहमतियां हैं, जिन्हें सुलझा लेंगे। ट्रम्प ने बताया कि आज की बातचीत में टैरिफ पर भी चर्चा होगी, लेकिन यह नहीं बताया कि कनाडा पर लगा टैरिफ हटाएगा या नहीं। ट्रम्प ने गाजा युद्ध का जिक्र किया और कहा कि वहां शांति हो सकती है। उनकी टीम वहां काम कर रही है और दुनिया के कई देश उनकी शांति योजना के साथ हैं। उन्होंने कहा कि कुछ बड़ा हो सकता है, लेकिन तब तक अमेरिका और कनाडा कुछ व्यापारिक समझौते करेंगे।

शटडाउन पर कहा- अपने कर्मचारियों का ख्याल रखेंगे : अमेरिकी में जारी शटडाउन पर सवाल पूछे जाने पर ट्रम्प ने कहा कि वे अपने कर्मचारियों का ख्याल रखेंगे, लेकिन कुछ लोग जो सही नहीं हैं, उनके लिए अलग व्यवस्था होगी। ट्रम्प ने कनाडा के साथ व्यापार को मुश्किल बताया, क्योंकि दोनों देशों के बीच कुछ असहमतियां हैं। फिर भी, उन्होंने कहा कि वे कनाडा और उसके लोगों से प्यार करते हैं। ट्रम्प ने कहा कि दोनों देशों का रिश्ता काफी बेहतर हुआ है और वे इन असहमतियों को सुलझा लेंगे। स्टील टैरिफ पर उन्होंने कहा कि वह अपना स्टील खुद बनाना चाहते हैं, लेकिन कनाडा को भी फायदा पहुंचाना चाहते हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भी बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार से यहां मेहमान टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहला टेस्ट तीन दिनों के अंदर ही आसानी से जीत लिया था। ऐसे में उसे सीरीज में 1-0 की बढ़त मिली हुई है । भारतीय टीम पहले टेस्ट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही वेस्टइंडीज पर हावी रही थी। ऐसे में वह इस मैच में भी जीत हासिल कर सीरीज का समापन 2-0 से करना चाहेगी। भारतीय टीम के इस मैच में भी बिना किसी बदलाव के उतरने की संभावना है। इस मैच में बल्लेबाज साई सुदर्शन के अलावा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के पास भी अपनी क्षमता दिखाने का अवसर है। सुदर्शन पहले मैच में असफल रहे थे। ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में बड़ी पारी खेलना रहेगा।

वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी कमजोर है। जिससे वह इस मैच में भी भारतीय टीम का शायद ही सामना कर पाये। टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी पहले टेस्ट में प्रभावहीन नजर आई जिससे उसे पारी की हार का सामना करना पड़ा था। वेस्टइंडीज के अधिकतर खिलाड़ी विदेशी टी20 लीग खेलते हैं जिससे उनकी टेस्ट टीम लगातार कमजोर होती गयी है। लंबे प्रारूप में उसके पास अधिकतर ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें किसी भी प्रकार का अनुभव नहीं है।

पहले टेस्ट मैच में वह किसी भी समय भारतीय टीम को टक्कर नहीं दे पायी। भारतीय टीम को इस सीरीज जीतने का एकमात्र लाभ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक तालिका में मिलेगा। इसके अलावा उसे इस साल के अंत में घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले अपने खिलाड़ियों को आजमाने का अवसर भी मिला है।

जिस प्रकार से भारत ने पहले टेस्ट में खेला है उससे इस मैच में भी मुकाबला समय से पहले समाप्त हो सकता है। जहां की पिच से शुरू में तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है। । भारतीय टीम जहां खेल के हर विभाग में मजबूत नजर आती है वही वेस्टइंडीज का प्रत्येक विभाग कमजोर नजर आता है। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि उनकी टीम की टेस्ट क्रिकेट में यह गिरावट गंभीर है जिसका इलाज फिलहाल असंभव लगता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, बी साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रित बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अक्षर पटेल, नारायण जगदीसन (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल।

वेस्टइंडीज = रोस्टन चेज (कप्तान), तेगनारायण चंद्रपॉल, जॉन कैंपबेल, एलिक अथानाज़, ब्रैंडन किंग, जोहान लेने, जस्टिन ग्रीव्स, खारी पियरे, शाई होप, जेडन सील्स, जेमेल वार्रिकन, केवलन एंडरसन, जेडिया ब्लेड्स, टेविन इमलाच, एंडरसन फिलिप।

स्मृति मंधाना ने 26 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, वनडे में एक कैलेंडर वर्ष में बनाए सर्वाधिक रन

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना मौजूदा महिला विश्व कप में अपने तीसरे मैच में एक और बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहीं, लेकिन उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाकर 26 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

स्मृति ने गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 33 गेंदों पर 23 रन बनाए, जिसमें एक चौका और एक छक्का शामिल था। जब ऐसा लग रहा था कि वह एक बड़ा स्कोर बनाने के लिए तैयार हैं, तभी 29 वर्षीय भारतीय सलामी बल्लेबाज ने लॉन्ग-ऑन पर सुने लुस की गेंद पर आउट हो गई। गुरुवार को बनाए गए 23 रनों के साथ मंधाना का इस साल का कुल स्कोर 17 पारियों में 973 रन हो गया, जो एक साल में महिला वनडे में किसी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन हैं।

मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1997 में 970 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट 2022 में 882 रन बनाकर इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। मंधना के लिए वनडे में अब तक का साल शानदार रहा है, हालांकि विश्व कप उनके लिए अब तक उतना अच्छा नहीं रहा है। विश्व कप से पहले मंधाना ने 14 पारियों में 66.28 की औसत और 115.85 के स्ट्राइक रेट से 928 रन बनाए थे।

विश्व कप में उनका बल्ला ठंडा रहा है, तीन पारियों में 18.00 की औसत और 72.97 के स्ट्राइक रेट से केवल 54 रन ही बना पाई हैं। लेकिन उनके पास अभी भी एक कैलेंडर वर्ष में 1000 रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनकर एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने का मौका है। 5 और लीग मैच खेलने के साथ, उनके पास इस मुकाम तक पहुंचने के पर्याप्त अवसर हैं।

कर्नाटक ने रणजी टीम की घोषणा की, करुण नायर की वापसी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक क्रिकेट बोर्ड ने रणजी ट्रॉफी 2025 के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें करुण नायर की वापसी हुई है। यह अनुभवी बल्लेबाज विदर्भ के साथ एक सफल सत्र के बाद अपनी घरेलू टीम में वापस आ गया है, जहां उन्होंने 53.93 की औसत से 863 रन बनाए थे।

मयंक अग्रवाल कप्तान बने रहेंगे और पिछले सीजन के मिश्रित प्रदर्शन को सुधारने के इरादे से टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसमें कर्नाटक 7 मैचों में से केवल दो में जीत हासिल कर पाया था और एलीट ग्रुप सी में चौथे स्थान पर रहा था। नायर की वापसी से कर्नाटक की बल्लेबाजी लाइनअप मजबूत हुई है, जिसमें पिछले सीजन के शीर्ष स्कोरर 516 रन बनाने वाले आर स्मरण भी शामिल हैं।

अनुभवी मनीष पांडे अनुपस्थित हैं, जो टीम में बदलाव का संकेत है। विकेट कीपिंग की जिम्मेदारी केएल श्रीजीत और ऋुथिक कृष्णा संभालेंगे जबकि गेंदबाजी आक्रमण में वी कौशिक, विशक विजयकुमार, विदवथ कावेरप्पा और अभिलाष शेट्टी शामिल होंगे। कर्नाटक 15 अक्टूबर को राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ अपने रणजी ट्रॉफी 2025 अभियान की शुरुआत करेगा। प्रशंसक करीब से देख रहे हैं कि क्या टीम मजबूत शुरुआत कर सकती है और अपनी विजयी फॉर्म को फिर से हासिल कर सकती है।

कर्नाटक रणजी ट्रॉफी 2025 टीम

मयंक अग्रवाल (कप्तान), करुण नायर, आर स्मरण, केएल श्रीजीत (विकेटकीपर), श्रेयस गोपाल, विशक विजयकुमार, विदवथ कावेरप्पा, अभिलाष शेट्टी, एम वेंकटेश, निकिन जोस, अभिनव मनोहर, ऋुथिक कृष्णा (विकेटकीपर), केवी अनीश, मोहसिन खान, शिखर शेट्टी।

रविचंद्रन अश्विन ने संन्यास पर तोड़ी चुप्पी, '...टीम में तुम्हारे लिए कोई जगह नहीं है'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने स्पष्ट किया है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का उनका फैसला निजी था और पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच में टेस्ट क्रिकेट छोड़ने के लिए उन्हें किसी ने मजबूर नहीं किया था।

इस 39 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल ब्रिस्बेन में 2024-25 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के बाद संन्यास की घोषणा करके क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। इसके बाद उन्होंने इस साल अगस्त में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से भी संन्यास की घोषणा कर दी। इससे वह दुनिया भर की टी20 लीग में खेलने के लिए स्वतंत्र हो गए हैं। वह इस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'किसी ने मुझसे नहीं कहा कि तुम्हें संन्यास ले लेना चाहिए। किसी ने मुझसे नहीं कहा कि टीम में तुम्हारे लिए कोई जगह नहीं है। सच्चाई यह है कि संन्यास का फैसला करने से पहले दो-तीन लोगों ने मुझे ऐसा करने से इनकार किया था लेकिन मैंने अपना फैसला लिया। असल में, वे चाहते थे कि मैं और खेलूं।' उन्होंने कहा, 'रोहित शर्मा (तत्कालीन कप्तान) ने भी मुझे इस बारे में फिर से सोचने को कहा था। गौती भाई (गौतम गंभीर) ने भी मुझे दोबारा सोचने को कहा था। लेकिन मैंने इस बारे में (संन्यास के बारे में) अजीत अगरकर (चयन समिति के अध्यक्ष) से ज्यादा बात नहीं की।' अश्विन ने कहा, 'जब खेल से संन्यास लेने की बात आती है तो यह निजी फैसला होता है और मेरा फैसला भी निजी था।' उनके इस बयान से उन अटकलों पर विराम लग गया है कि टीम प्रबंधन ने उन्हें यह निर्णय लेने के लिए मजबूर किया था। रोहित शर्मा और विराट कोहली की सीनियर जोड़ी के बारे में बात करते हुए अश्विन ने कहा कि टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं को उनके साथ स्पष्ट संवाद करना चाहिए।

टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके रोहित और कोहली दोनों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी तीन एकदिवसीय मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है। लेकिन रोहित की जगह शुभमन गिल को वनडे टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। अश्विन ने कहा, 'विराट कोहली वनडे क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी हैं। जिस तरह से उन्होंने और रोहित ने 2023 विश्व कप में बल्लेबाजी की, उन्हें कुछ साबित करने की ज़रूरत नहीं है। मुझे उम्मीद है कि उनसे बातचीत हुई होगी। विराट और रोहित शर्मा के साथ जो भी चर्चा होनी थी, वह हो चुकी होगी। उनके साथ स्पष्ट संवाद होना चाहिए।'

अश्विन ने कहा कि रोहित और कोहली दोनों में अभी काफी क्रिकेट बाकी है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि कोई भी चयनकर्ता या कोच यह कह पाएगा कि विराट और रोहित की सेवाओं की अब ज़रूरत नहीं है। उनके पास जो अनुभव है उसे आप कहीं से खरीद नहीं सकते हैं।'

रोहित को अब स्वयं संन्यास ले लेना चाहिये : मनोज तिवारी

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा है कि रोहित शर्मा को अब टेस्ट और टी20 की तरह ही एकदिवसीय प्रारुप से भी संन्यास की घोषणा कर देनी चाहिये। मनोज के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिस प्रकार से शुभमन गिल को एकदिवसीय टीम की कप्तानी दी है। उससे साफ संकेत है कि अब रोहित भविष्य की योजनाओं में शामिल नहीं है। इसलिए उन्हें संन्यास की घोषणा करने में देर नहीं करनी चाहिये। वहीं अगर वह अब भी एक खिलाड़ी के तौर पर खेलना चाहते हैं तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे में बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। साथ ही कहा कि अगर मैं उनकी जगह होता तो संन्यास लेने के बारे में सोचता। उनके जैसे खिलाड़ी की उपेक्षा नहीं होनी चाहिये। तिवारी ने कहा कि कप्तान के रूप में रोहित का प्रदर्शन ऐसा नहीं था कि उन्हें पद से हटाया जाए। उन्होंने केवल एक आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती बल्कि दो जीतीं हैं। एकदिवसीय विश्व कप में भी वह जीत के बहुत करीब पहुंच गए थे। कप्तान और खिलाड़ी, दोनों के तौर पर उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। उनके नाम 5 आईपीएल ट्रॉफी हैं। इतना सब होने के बाद भी उन्हें अचानक बाहर करना ठीक नहीं है। एकदिवसीय कप्तान के रूप में रोहित का रिकॉर्ड अपने काफी अच्छा रहा है। उनका 75 का जीत प्रतिशत, 10 से ज़्यादा वनडे मैच खेलने वाले किसी भी भारतीय कप्तान में सर्वश्रेष्ठ है। रोहित के नेतृत्व में भारत ने विश्व कप 2023 के फाइनल में जगह बनायी थी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब भी जीता।

टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 25 वें स्थान पर पहुंचे जडेजा

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 25 वें स्थान पर पहुंच गये हैं। जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में 104 रन की नाबाद पारी खेली थी। अपनी इस पारी के साथ ही जडेजा के कुल 644 अंक हो गए हैं और वह पायदान ऊपर आये हैं। जडेजा की इससे पहले टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 29 थी। बल्लेबाजी के अलावा जडेजा ने गेंदबाजी में भी प्रभावित किया। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरी पारी में 4 विकेट लिए। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 3 विकेट हासिल करने वाले मोहम्मद सिराज गेंदबाजों की सूची में 3 स्थान ऊपर आकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वह पहली बार 700 रेटिंग अंकों से ऊपर पहुंचे हैं। इस टेस्ट मैच के साथ ही अपनी रैंकिंग सुधारने वाले अन्य खिलाड़ियों में केएल राहुल और ध्रुव जुरेल भी हैं। राहुल अब बल्लेबाजी रैंकिंग में चार स्थान के लाभ के साथ ही 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि अपना पहला टेस्ट शतक लगाने के बाद ध्रुव जुरेल 20 स्थानों की छलांग लगाकर 65वें स्थान पर पहुंच गये हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में स्पिनर कुलदीप यादव वेस्टइंडीज के खिलाफ कुल चार विकेट लेकर सात स्थान के लाभ के साथ ही 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरे ओर आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श की शीर्ष-10 बल्लेबाजों में वापसी हुई है। मार्श को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 85 और तीसरे मैच में नाबाद 103 रन बनाने का लाभ मिला। इसके अलावा न्यूजीलैंड के टिम रॉबिन्सन 58 स्थान ऊपर आकर संयुक्त 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं। रॉबिन्सन ने माउंट माउंगानुई में सीरीज के पहले ही मैच में नाबाद 106 रन बनाए थे।

रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेलेंगे शमी और आकाशदीप, अभिमन्यु करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेलते नजर आयेंगे। शमी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम में वापसी नहीं कर पाये हैं। शमी के अलावा = मोहम्मद शमी को भारत की टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों टीमों से बाहर रखा गया है। युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप भी इस टीम में शामिल रहेंगे। टीम की कप्तानी अभिमन्यु ईश्वरन को दी गयी है। अभिमन्यु का लक्ष्य भी इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर एक बार फिर भारतीय टीम में जगह के लिए दावेदारी करना रहेगा। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) ने इस टीम का कप्तानी उपकप्तान विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को बनाया है।

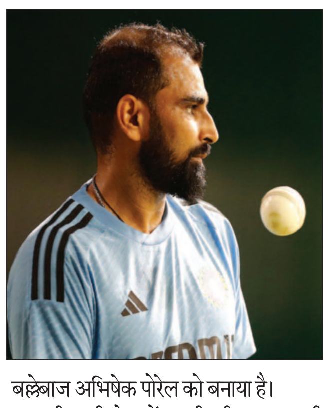

टीम की तेज गेंदबाजी की कमान शमी और आकाश दीप के पास रहेगी। वहीं बल्लेबाजी की जिम्मेदारी अभिमन्यु ईश्वरन और अभिषेक पोरेल के साथ-साथ अनुस्तूप मजूमदर, सुदीप चटर्जी और युवा बल्लेबाज सुदीप कुमार के पास रहेगी। राहुल प्रसाद, सौरभ कुमार सिंह और विशाल भाटी भी रणजी में बेहतर प्रदर्शन कर सभी का ध्यान खींचना चाहेंगे। लक्ष्मी रतन शुक्ला को टीम का मुख्य कोच बनाया गया है जबकि अरूप भट्टाचार्य और शिब शंकर पॉल टीम के सहायक कोच होंगे। चरणजीत सिंह मथारू को फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी दी गयी है।

बंगाल की टीम अपने रणजी ट्रॉफी मुकाबलों की शुरुआत 15 अक्टूबर को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में करेगी। उसका पहला मैच उत्तराखंड से होगा। इसके बाद 25 अक्टूबर को वह गुजरात से खेलेगी। शमी, आकशीप आर अभिमन्यु का प्रयास रणजी में बेहतर प्रदर्शन कर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए अपनी दावेदारी पेश करना रहेगा।

बंगाल टीम

अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), अभिषेक पोरेल (उप कप्तान/विकेटकीपर), सुदीप कुमार घरामी, अनुस्तुप मजूमदार, सुदीप चटर्जी, सुमंत गुप्ता, सौरभ कुमार सिंह, विशाल भाटी, एमडी शमी, आकाश दीप, सूरज सिंधु जायसवाल, शाकिर हबीब गांधी (विकेटकीपर), ईशान पोरेल, काजी जुनैद सैफी, राहुल प्रसाद, सुमित मोहंता और विकास सिंह।

सूर्यकुमार और गंभीर के कारण मुझे वापसी का अवसर मिला : वरुण चक्रवर्ती

मुंबई (एजेंसी)। हाल में एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने अपनी वापसी का श्रेय कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर को दिया है। वरुण को तीन साल के बाद टीम में जगह मिली पर उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर अपने चयन को सही साबित कर दिया। वरुण ने कहा, मैं कोच के बारे में कह सकता हूं कि वह टीम में एक साहसी मानसिकता लेकर आते हैं जहां हार का कोई विकल्प नहीं होता, वह खिलाड़ियों को निडर होकर खेलने को कहते हैं। उनका मानना है कि मैदान पर अपना सौ फीसदी देना होता है। जब वह मौजूद होते हैं, तो आप औसत प्रदर्शन नहीं कर सकते।

वरुण ने साल जुलाई 2021 में भारत के लिए पदार्पण किया था पर 2021 टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन क बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया और अक्टूबर 2024 में उन्हें दोबारा खेलने का अवसर मिला। तब से ही वरुण लगातार टी20 एकादश में शामिल रहे हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में एकदिवसीय डेब्यू के साथ ही टीम को चैंपियंस ट्रॉफी जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, जब मैंने दोबारा वापसी की, तो सूर्या और गंभीर ने मुझसे बात की और उन्होंने मुझे बताया कि हम आपको विकेट लेने वाले गेंदबाजों में से देखते हैं। और उन्होंने पूरे समय मेरा समर्थन किया। इसके लिए मुझे उन्हें श्रेय देना होगा। मैं तीन साल से ज़्यादा समय तक टीम से बाहर रहा पर इस दौरान आईपीएल में मेरा प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा। उन्होंने मुझे टीम में अवसर दिया यह मेरे लिए बड़ी बात थी।

गंभीर चाहते हैं कि वह एकदिवसीय क्रिकेट में अपनी संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए और प्रयास करें। इसका कारण है कि टी20 में आप ज़्यादा से ज़्यादा दो ओवर लगातार गेंदबाजी कर सकते हैं पर एकदिवसीय में आपको लगातार पांच से छह ओवर गेंदबाजी करनी होती है, जिस पर मैंने काम किया और चैंपियंस ट्रॉफी में मैं ऐसा करने में सफल रहा। अब वह चाहते हैं कि मैं घरेलू सर्किट में भी थोड़ा और ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करूं और अपनी बल्लेबाजी बेहतर करूं। वरुण ने स्पिनर कुलदीप यादव की भी जमकर तारीफ की, जो एशिया कप में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। वरुण ने कहा, कुलदीप निश्चित रूप से हमारे मौजूदा खिलाड़ियों में सबसे अनुभवी गेंदबाजों में से एक हैं और उन्होंने कमाल का प्रदर्शन किया है।

लारा ने वेस्टइंडीज टीम को फटकारा, देश के लिए खेलने का जूनुन होता तो अपने आप बेहतर प्रदर्शन करते

जमैका। वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज रहे ब्रायन लारा अपनी टीम के लगातार खराब होते प्रदर्शन को देखकर दुखी हैं। लारा ने इसी को लेकर टीम को जमकर फटकार लगायी है। लारा ने कहा कि पैसे के साथ ही कई समस्यायें हैं पर इसके बाद भी अगर खिलाड़ियों में जुनून और जज्बा होता तो टीम जरुर सफल होती। लारा के अनुसार प्रतिभा पलायन, बुनियादी ढांचे की कमी और वेतन में हो रही समस्या वेस्टइंडीज क्रिकेट की बदतर होती स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में फ्रेंचाइजी-आधारित टी20 प्रतियोगिताओं के कारण भी वेस्टइंडीज के खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेटर की उपेक्षा कर रहे हैं। टी20 में वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों की भारी मांग है पर टेस्ट टीम को अच्छे खिलाड़ी नहीं मिल रहे। लारा ने कहा, ''मैं सभी खिलाड़ियों से पूछना चाहूंगा कि वे बताएं कि क्या वे सचमुच वेस्टइंडीज के लिए खेलना चाहते हैं? और यही सबसे अहम बात है, क्योंकि अगर ऐसा है तो आपको कोई न कोई रास्ता मिल ही जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''हमारे पास भी पहले बेहतर सुविधाएं नहीं थीं। विव रिचर्ड्स ने किसी बेहतर अभ्यास पिच पर बल्लेबाजी नहीं की थी। हमें भी वही काम करना पड़ता था, वही मेहनत करनी पड़ती थी पर तब जज्बा अलग था। वेस्टइंडीज के लिए खेलने का जुनून ही सबसे बड़ा अधिक था।'' टेस्ट क्रिकेट रिकॉर्ड 400 रन की पारी खेलने वाले इस पूर्व दिग्गज ने कहा, ''मैं युवा खिलाड़ियों से आग्रह करता हूं कि वे यह समझें कि देश की ओर से खेलने का उन्हें अवसर मिला।''लारा ने टेस्ट क्रिकेट में भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के अलावा अन्य टीमों के बीच होने वाले मैचों में दर्शकों की घटती रुचि पर भी चिंता जाहिर की। साथ ही कहा कि इन टीमों के मैचों में भारी संख्या में दर्शक आते हैं पर अन्य टीमों के साथ ऐसा नहीं होता है।

मैं भारत के लिए तीनों प्रारूपों में आईसीसी ट्रॉफियां जीतना चाहता हूं: शुभमन गिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि वह भारत के लिए तीनों प्रारूपों में आईसीसी ट्रॉफियां जीतना चाहते हैं। गिल ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पूर्वसंध्या पर कहा, 'लगातार तीनों प्रारुपों में खेलने से तो शारीरिक थकान तो एक बात है, लेकिन कई बार जब आप लगातार खेलते हो तो मानसिक थकान हो जाती है। मैं जब खेलता हूं तो स्वयं से मेरी कुछ अपेक्षाएं होती हैं और मेरा कुछ लक्ष्य होता है। यह एक बहुत बड़ी चुनौती है जो कि मुझे पूरा करना होता है। मैं भारत के लिए तीनों प्रारूपों में खेलना चाहता हूं और सफल होना चाहता हूं। मैं आईसीसी ट्रॉफीज जीतना चाहता हूं। और अगर मुझे ऐसा करना है तो यह एक चुनौती है, जिसे मुझे पूरा करना है।'

टेस्ट टीम के कप्तान के रूप में इंग्लैंड में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले शुभमन गिल ने अब अंतरराष्ट्रीय टी-20 में ना सिर्फ वापसी की, बल्कि उन्हें उपकप्तानी भी मिली। इसके बाद वह घरेलू जमीन पर अपनी कप्तानी में पहला टेस्ट मैच जीत रहे थे तभी उन्हें एकदिवसीय टीम का भी कप्तान बना दिया गया।भारतीय टीम प्रबंधन अब भविष्य की ओर देख रहा है अब रोहित शर्मा टीम में बस एक खिलाड़ी के रूप में रह जाएंगे।

अगले साल भारत में होने वाले टी20 विश्व कप के अलावा वर्तमान में चल रहा 2027 का विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र और 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाला एकदिवसीय विश्व कप शामिल है। उन्होंने कहा, 'बेशक यह घोषणा अहमदाबाद टेस्ट के दौरान (के बाद) हुई, लेकिन मुझे एकदिवसीय कप्तानी मिलने के बारे में टेस्ट मैच से थोड़ा पहले ही पता चल गया था। यह एक बड़ी जिम्मेदारी और सम्मान है। मैं वनडे में भी अपने देश का कप्तानी करने के लिए उत्साहित हूं। पिछले कुछ महीने मेरे लिए बहुत बेहतरीन रहे हैं और मैं आगे की ओर देख रहा हूं। मैं वर्तमान में रहना चाहता हूं और ज्यादा पीछे नहीं देखना चाहता। मैं बस भविष्य की ओर देख रहा हूं और आने वाले महीनों में जो भी मैच आए, उन्हें जीतना चाहता हूं।'

गिल ने इस बात से इनकार कर दिया कि रोहित और विराट उनके 2027 की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों ने टेस्ट और टी-20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, लेकिन एकदिवसीय क्रिकेट अभी भी खेल रहे हैं। गिल ने तो यह भी कहा कि वह रोहित की कप्तानी से बहुत कुछ अपनी कप्तानी में उतार भी रहे हैं। उन्होंने कहा, 'रोहित और कोहली के पास जिस तरह का अनुभव है, जिस तरह से उन्होंने भारत को मैच जिताए हैं, ऐसे बहुत ही कम खिलाड़ी होंगे। उनकी क्षमता, कौशल और अनुभव के खिलाड़ी दुनिया में भी बहुत कम है। ये सब देखते हुए हम निश्चित रूप से उनकी ओर देख रहे हैं।

इसके अलावा रोहित (शर्मा) भाई जिस तरह से शांत रहते हैं और जिस तरह से वह खिलाड़ियों के साथ संबंध बनाते हैं, वह सब उनसे सीखने लायक है।' भारतीय टीम का कैलेंडर आने वाले समय में बहुत व्यस्त है। टेस्ट सीरीज समाप्त होने के तुरंत बाद भारतीय टीम दिल्ली से ही पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) के लिए रवाना हो जाएगी, जहां उन्हें तीन एकदिवसीय और पांच अंतरराष्ट्रीय टी20 खेलने है। इसके बाद भारतीय टीम को तुरंत ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज खेलनी है। गिल की तीनों प्रारूपों में भूमिका का मतलब है कि उन्हें अब लगातार क्रिकेट खेलना है।

वनडे कप्तान शुभमन गिल ने कर दिया साफ, 2027 वर्ल्ड कप के लिए टीम के प्लान में बने रहेंगे कोहली-रोहित

नई दिल्ली। वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल गुरुवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले प्रेस से मुखातिब हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की योजना का हिस्सा बने रहेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि, इन दोनों खिलाड़ियों के कौशल और अपार अनुव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि वह इस महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया दौरे से इस फॉर्मेट की कमान संभालने पर अपने पूर्ववर्ती रोहित शर्मा की तरह ड्रेसिंग रूम में शांत माहौल बनाए रखने और खिलाड़ियों के साथ दोस्ताना व्यवहार करने की कोशिश करेंगे। पहले ही भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी संभाल रहे 26 वर्षीय गिल 19 से 25 अक्तूबर तक ऑस्ट्रेलिया में होने वाली तीन मैचों की सीरीज के साथ अपनी वनडे कप्तानी की शुरुआत करेंगे। ये पूछे जाने पर कि क्या उन्हें लगता है कि रोहित और कोहली अगले वनडे वर्ल्ड कप की योजना का हिस्सा हैं तो गिल चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर की तरह सतर्क नहीं थे, जिन्होंने हाल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस मुद्दे पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई थी। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पूर्व संध्या पर उन्हें वनडे टीम का कप्तान भी नियुक्त करने से संबंधित सवालों के जवाब देते हुए कहा कि, बिल्कुल। उनके पास जो अनुभव है और उन्होंने भारत के लिए जितने मैच जीते हैं। ऐसे बहुत कम खिलाड़ी हैं जिन्होंने भारत के लिए इतने मैच जीते हैं।

रश्मिका मंदाना की राह पर कृति शेट्टी

कृति शेट्टी साउथ इंडिया सिनेमा में बहुत कम समय में तेज़ी से एक नया नाम बनकर उभर रही हैं, जिस पर ध्यान देना ज़रूरी है। अपनी बेहतरीन स्क्रीन प्रेज़ेंस, स्वाभाविक आकर्षण और उप्पेना, श्याम सिंघा रॉय, बंगाराजु और द वॉरियर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपने बहुमुखी अभिनय के साथ, उन्होंने दर्शकों और फिल्म निर्माताओं, दोनों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। जिस तरह एक समय में रश्मिका मंदाना ने पूरे देश में लोकप्रियता हासिल की थी, उसी तरह कृति भी अपनी शानदार अभिनय क्षमता और सादगी भरी मौजूदगी से उसी दिशा में आगे बढ़ती दिख रही हैं। जो उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे होनहार चेहरों में से एक बनाता है। काफी कम समय में, कृति ने प्रभावशाली भूमिकाओं का एक ऐसा संग्रह तैयार किया है। जिन किरदारों को कृति ने निभाया है, वे दिखाते हैं कि वह अलग-अलग जॉनर में — चाहे रोमांस हो या गंभीर ड्रामा — उनमें खुद को ढालने में पूरी तरह सक्षम हैं। उनके अभिनय में भावनात्मक जुड़ाव और कैमरे के सामने सहजता, उन्हें अपने समकालीन कलाकारों की तुलना में अलग पहचान दिलाती हैं। अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा आत्मविश्वास और परिपक्वता दिखाने वाली कृति की यही खूबियाँ उन्हें उस इंडस्ट्री में अलग बनाती हैं जो हमेशा नई टैलेंट की तलाश में रहती है। कृति शेट्टी की पहचान सिर्फ एक मौजूदा लोकप्रिय कलाकार के रूप में नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद और टिकाऊ स्टार के रूप में बन रही है। वे अपने करियर में ऐसे किरदार और कहानियाँ चुन रही हैं जो न केवल उन्हें अभिनय का पूरा अवसर देते हैं, बल्कि व्यापक दर्शकों से जुड़ने का मौका भी। यह युवा अभिनेत्री, तेजी से बढ़ता फैन-बेस और कई भाषाओं की फिल्मों में उनकी मौजूदगी यह संकेत देती है कि कृति आने वाले समय में पैन इंडिया सुपरस्टार की श्रेणी में शामिल होने की राह पर हैं, और तेज़ी से दक्षिण सिनेमा की अगली बड़ी हस्ती बनती जा रही हैं।

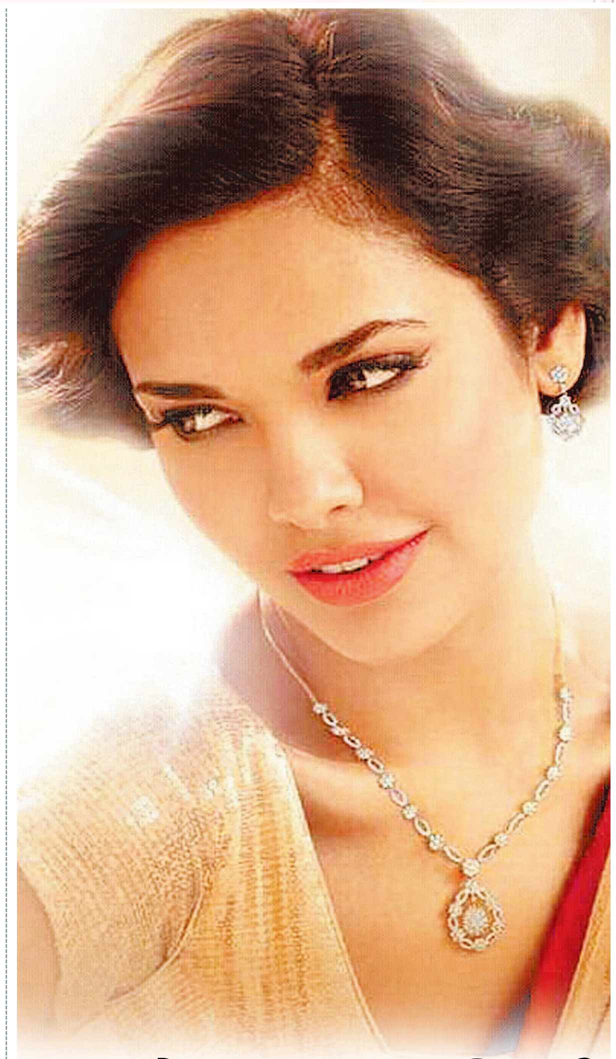

मेरा ध्यान सिर्फ़ किरदार और डायरेक्टर की सोच पर होता है

फिल्म जन्नत 2 से धमाकेदार डेब्यू करने के बाद अब ईशा गुप्ता को बॉलीवुड में 13 साल पूरे हो चुके हैं। इन सालों में ईशा ने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है। हाल ही में बातचीत में ईशा ने अपने इस सफर को एक ऐसे रोलरकोस्टर की तरह बताया, जिसमें बहुत सारा सीखना, बढ़ना और नए अनुभव शामिल रहे। अपने काम के प्रति बदले नज़रिए पर ईशा कहती हैं, वक़्त के साथ चीज़ें बदल गई हैं और मेरा नज़रिया भी। पहले मैं स्क्रिप्ट के बारे में सोचती थी, लेकिन अब मेरा ध्यान सिर्फ़ किरदार और डायरेक्टर की सोच पर होता है। एक साधारण कहानी भी सही फ़िल्ममेकर के हाथों में मास्टरपीस बन सकती है। अगर मेरा रोल सिर्फ दो मिनट का हो, तब भी मैं उसे पूरी मेहनत से करती हूं, क्योंकि राइटर ने वो किरदार मेरे लिए लिखा है। गौरतलब है कि फिल्मों में अपने किरदारों के अलावा ईशा मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे को लेकर भी काफी जागरूक हैं। बिना किसी लाग-लपेट के वह कहती हैं, इसमें कोई शक नहीं है कि आज भी हमारे देश में मेंटल थेरेपी को गलत नज़र से देखा जाता है, जबकि हकीकत यह है कि एक स्वस्थ दिमाग ही थेरेपी का चुनाव करता है। हममें से ज़्यादातर लोग थेरेपी के लिए इसलिए जाते हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि ये हमारी बेहतरी के लिए है, जबकि जिन्हें इसकी ज़रूरत है, वे कभी जाते ही नहीं। सच खून, तो मुझे आगे बढ़ने में मेरी थेरेपी ने बहुत मदद की है। मैं हमेशा कहती हूं कि अगर आपके पास पैसा है, तो उसे अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर खर्च करो और उसे स्वस्थ रखो, क्योंकि इनके बिना बाकी सब बेकार है। जहां तक ईशा के अगले प्रोजेक्ट की बात है, ईशा जल्द ही धमाल 4 में अजय देवगन के साथ नज़र आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग पूरी की है, जो ईद 2026 पर बड़े स्तर पर रिलीज़ होगी। इसमें दो राय नहीं है कि जन्नत 2 से लेकर अब तक ईशा ने बतौर अभिनेत्री खुद को बार-बार तराशते हुए एक कलाकार बनने का सफर तय किया है और उनका यह सफर सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, बल्कि पर्दे के बाहर भी जुनून, लगन और आत्मविकास की प्रेरणादायक कहानी है।

रुक्मिणी वसंत ने कांतारा - चैप्टर 1 को बताया ज़िंदगी बदल देने वाला अनुभव

आज जब कांतारा – चैप्टर 1 दुनियाभर में रिलीज़ हुई है, तब एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत ने अपने दिल की बात शेयर की। एक इमोशनल नोट में उन्होंने बताया कि कैसे ये सफर उन्हें एक कलाकार और इंसान दोनों रूपों में नया बना गया। उन्होंने लिखा –एक साल पहले मुझे 'कांतारा – चैप्टर 1' का हिस्सा बनने का मौका मिला। इस फिल्म ने मुझे चुनौती दी, मुझे सिखाया, मेरे हुनर को निखारा और ज़िंदगी को एक नया नज़रिया दिया। ये फिल्म सच में प्यार और जुनून से बनी है – सैकड़ों लोगों की मेहनत से, जिन्होंने दिन-रात एक कर दिया। इस जादुई फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बेहद आभारी हूं। रुक्मिणी ने फिल्म के कप्तान ऋषभ शेट्टी को दिल से शुक्रिया कहा- ऋषभ सर इस प्रोजेक्ट की रीढ़ हैं। सर, आपका जुनून, मेहनत और विज़न मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा रहा। मुझ पर भरोसा करने और इस सफर में मेरा साथ देने के लिए दिल से धन्यवाद।

उन्होंने होम्बले फिल्म्स की पूरी टीम – विजय किरागंदूर, चालुवे गौड़ा, आदर्श और उन सभी अनसुने हीरोज़ का भी शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने पर्दे के पीछे रहकर इस अनुभव को जीवंत बनाया। और सफर अभी शुरू ही हुआ है। कांतारा – चैप्टर 1 के बाद रुक्मिणी अब दो बड़े प्रोजेक्ट्स में नज़र आएंगी – रॉकिंग स्टार यश के साथ टॉक्सिक और प्रशांत नील की एनटीआर जूनियर वाली मेगा फिल्म में।

'परफेक्ट कपल 2' में नजर आएंगे ईशान खट्टर

ईशान खट्टर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में सीरीज 'परफेक्ट कपल' की अपनी एक को-एक्ट्रेस के साथ फोटो शेयर किया। इस फोटो के शेयर करते हुए, उस पर कैप्शन लिखा, 'सीजन टू?' आगे लिखा, 'परफेक्ट कपल मिल गया।' शो के मेकर्स को भी ईशान खट्टर ने यह पोस्ट टैग की है। ईशान खट्टर अपनी पोस्ट के जरिए मेकर्स को हिंट दे रहे हैं कि सीरीज 'परफेक्ट कपल 2' करना चाहते हैं। यही ख्वाहिश उनकी को-एक्ट्रेस की भी है। बताते चलें कि अमेरिकन सीरीज 'परफेक्ट कपल(2024)' में ईशान का रोल ज्यादा बड़ा नहीं था, फिर भी वह दर्शकों को याद रह गए। इस मर्डर मिस्ट्री सीरीज को सुजैन बियर ने निर्देशित किया था। निकोल किडमैन जैसी हॉलीवुड की नामी एक्ट्रेस के साथ ईशान को एक्टिंग करने का मौका सीरीज 'परफेक्ट कपल' में मिला। ईशान सीरीज में एक शूटर के रोल में थे।

इन सीरीज में भी दिखे ईशान खट्टर

सिर्फ 'परफेक्ट कपल' सीरीज में ही ईशान खट्टर ने अभिनय नहीं किया है, उन्होंने मीरा नायर निर्देशित वेब सीरीज 'सूटेबल ब्वॉय' में भी काम किया है। इसके अलावा वह भूमि पेडनेकर के साथ सीरीज 'द रॉयल्स' में नजर आ चुके हैं।

शशांक खैतान ने दिया दुल्हनिया 3 पर अपडेट

बॉलीवुड में नई पीढ़ी की सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक आलिया भट्ट और वरुण धवन की जोड़ी फिर से पर्दे पर वापसी करेगी या नहीं, इस सवाल का जवाब हर फैन पिछले कई वर्षों से तलाश रहा है। हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया जैसी हिट फिल्मों के बाद दर्शक लंबे समय से इस सीरीज के तीसरे पार्ट 'दुल्हनिया 3' का इंतजार कर रहे हैं। अब इस पर निर्देशक शशांक खैतान ने बड़ा अपडेट दिया है।

हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में शशांक खैतान ने कहा, हम सब चाहते हैं कि 'दुल्हनिया 3' बने। चाहे मैं हूं, आलिया हो या वरुण- सभी इस फ्रेंचाइज से जुड़े हैं। लेकिन अभी तक हमें वो सही कहानी नहीं मिली है, जो हमें और दर्शकों को संतुष्ट कर सके। उन्होंने साफ किया कि टीम लगातार आइडिया पर बातचीत कर रही है लेकिन अब तक कोई ठोस प्लान तैयार नहीं हुआ है। शशांक ने यह भी कहा कि दुल्हनिया सीरीज को मिली जबरदस्त मोहब्बत को देखते हुए वे जल्दबाजी में फिल्म बनाकर दर्शकों को निराश नहीं करना चाहते।

सिर्फ फिल्म नहीं, बल्कि कहानी मायने रखती है

निर्देशक के मुताबिक, किसी भी सफल फ्रेंचाइज का अगला पार्ट तभी बनाया जाना चाहिए जब उसके पास बताने के लिए एक मज़बूत और मजेदार कहानी हो। उनका कहना है कि दुल्हनिया 3 तभी आएगी जब टीम को लगेगा कि यह कहानी पिछले दोनों पार्ट्स से भी ज्यादा असरदार और मनोरंजक है।

मैं हमेशा सोच-समझकर ही रोल्स चुनता हूं

अभिनेता विशाल जेठवा ने हाल ही में फिल्म होमबाउंड में मुख्य भूमिका निभाई। फिल्म और उनके अभिनय को क्रिटिक्स ने खूब सराहा। अभिनेता से उनके अब तक के सफर पर खास बातचीत की...

'होमबाउंड' के लिए ऑडिशन का सफर आपके लिए कैसा रहा?

पहले मैंने शोएब के रोल के लिए ऑडिशन दिया था, पर उसमें मेरा चयन नहीं हुआ। बाद में चंदन का किरदार मिला और तीन राउंड ऑडिशन देने के बाद, मेरी मेहनत रंग लाई। धर्मा के ऑफिस में मेरी और ईशान खट्टर की केमिस्ट्री देखकर तय हुआ कि मैं चंदन के लिए सही पसंद हूं।

होमबाउंड देखने के बाद आपको सबसे बड़ा संदेश क्या मिला?

इस फिल्म को देखकर मुझे लगा कि यह सिर्फ कहानी नहीं है, बल्कि समाज की असलियत दिखाती है। यह हमें बताती है कि हमारे आस-पास भेदभाव, छोटे-छोटे झुकाव और दूसरों को कम आंकने जैसी चीजें रोज होती रहती हैं, जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। फिल्म ने मुझे यह सोचने पर मजबूर किया कि किसी भी बात को सिर्फ अपनी नजर से सही या गलत नहीं ठहराया जा सकता। बदलाव तभी आता है, जब हम दूसरों की सोच समझें और उनके साथ खुलकर बात करें। यह फिल्म केवल मनोरंजन नहीं करती, बल्कि सोचने और संवाद करने की प्रेरणा देती है।

शुरुआत में बॉलीवुड में फिट न होने का एहसास कैसा था?

शुरुआत में मुझे लगता था कि मैं बॉलीवुड में फिट नहीं हूं। बाकी लोग आसानी से सब संभाल लेते हैं। उनकी भाषा, अंदाज और कॉन्फिडेंस और मैं उनके सामने खुद को सही तरीके से दिखा नहीं पा रहा था। मैं उनके हिसाब से खुद को कम समझता था और कभी-कभी मिसफिट सा महसूस करता था। लेकिन धीरे-धीरे मुझे एहसास हुआ कि मैं अलग नहीं हूं। मैंने खुद को जैसे हूं, वैसे स्वीकार कर लिया। जब मैंने खुद को एक्सेप्ट किया, तो दोस्तों और सोशल मीडिया से भी सपोर्ट मिला। मुझे समझ आया कि अपनी पहचान को अपनाना ही सबसे बड़ी जीत है। अब मैं अपने आप पर गर्व महसूस करता हूं। मैं खुश हूं कि मैंने अपने तरीके से खुद को अपनाया।

कोई ऐसा सीन जो आपकी असली जिंदगी से जुड़ता हो?

शूटिंग के दौरान कई बार मुझे अपने किरदार से जुड़ने का मौका मिला और कुछ सीन मेरे असली अनुभवों को दर्शाते थे। मैंने अपनी पहचान को स्वीकार करना सीखा, लेकिन शुरुआत में मुझे एहसास नहीं था कि यह प्रक्रिया मेरे लिए कितनी चुनौतीपूर्ण होगी। मेरे किरदार के कुछ पहलू ऐसे थे, जिन्हें मैं पूरी तरह से स्वीकार नहीं कर पा रहा था। बिल्कुल वैसे ही जैसे असली जिंदगी में कभी-कभी हम खुद को पूरी तरह स्वीकार नहीं कर पाते।

बड़े ऑफर्स के बावजूद आप कोई किरदार कैसे चुनते हैं?

सच कहूं तो, मुझे फिल्मों में ऑफर्स आते रहे, लेकिन मैं हमेशा सोच-समझकर ही रोल्स चुनता हूं। कई फिल्म्स गंभीर और इंटेंस सब्जेक्ट्स पर होती हैं, तो शायद उन्हें लगता था कि मैं सेफ चॉइस हूं। लेकिन मैं चाहता था कि अपने काम में एक्सपेरिमेंट करूं। इस फिल्म में भी शुरुआत में डर था, क्योंकि रोल डिमांडिंग था, लेकिन सलाम वेंकी में मैंने अलग अवतार में काम करके लोगों को अपनी काबिलियत दिखाई थी। इस प्रोसेस ने मुझे यह सिखाया कि एक एक्टर को सिर्फ टाइपकास्ट नहीं होना चाहिए। मीडियम चाहे टीवी हो या फिल्म, हमें हमेशा एक्टिंग के नजरिए से देखा जाना चाहिए।

ईशान और जान्हवी के साथ काम का सबसे यादगार पल कौन सा रहा?

ईशान और जान्हवी के साथ काम करना बहुत शानदार अनुभव रहा। उनकी परवरिश और जीवन मेरे से काफी अलग हैं, लेकिन उन्होंने मेरे नजरिए का पूरा सम्मान किया। इससे मुझे यह समझ में आया कि किसी की अलग जर्नी होने का मतलब यह नहीं कि काम हमेशा मुश्किल या दबाव भरा है। हम सहज होकर काम कर पाए और एक-दूसरे को सपोर्ट करते रहे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।